मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-331, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

प्रदेश के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए 27,050 करोड़ रुपए की स्वीकृति

जबलपुर-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए विशेष कंपनी के गठन की मंजूरी

एक सत बुलेटिन, भोपाल



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गुरूवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। कैबिनेट ने राज्य में औद्योगिक निवेश और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देने के लिए शत-प्रतिशत शासकीय स्वामित्व वाली 'जबलपुर-इंदौर इकोनॉमिक कॉरिडोर डेवलपमेंट कंपनी' के गठन के प्रस्ताव को स्वीकृत किया। अन्नदाताओं के हित में बड़ा फैसला लेते हुए खरीफ वर्ष 2026 में सोयाबीन उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने के लिए 'पीएम-आशा' योजना अन्तर्गत भावांतर भुगतान योजना लागू करने की स्वीकृति दी गई।मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए लगभग 27,050 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

मंत्रि-परिषद ने बुरहानपुर, रायसेन, मंदसौर और सिंगरौली की सिंचाई परियोजनाओं की निरंतरता के लिए 3,076.37 करोड़ रुपये तथा 16वें वित्त आयोग की अवधि के लिए विधि एवं विधायी कार्य विभाग की 15,557 करोड़ रुपये से अधिक की राशि की योजनाओं की निरंतरता को मंजूर की गई। प्रदेश में आयुष चिकित्सा विस्तार व राष्ट्रीय आयुष मिशन के लिए 5,232 करोड़ रुपये एवं शासकीय विद्यालयों के अधोसंरचना निर्माण के लिए 2,875.20 करोड़ रुपये की निरंतरता की स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त नवगठित जिलों-निवाड़ी, मऊगंज, पांढुर्णा व मैहर में महिला एवं बाल विकास कार्यालयों के लिए 24 नवीन पदों तथा जनजातीय सांदीपनि विद्यालयों के छात्र परिवहन के लिए 241 करोड़ 88 लाख रुपये का प्रावधान किया गया।

प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं निवेश को नई गति देने के लिए मंत्रि-परिषद ने जबलपुर-इंदौर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के साथ चयनित औद्योगिक एवं आर्थिक हबों के समेकित विकास के लिए पूर्णतः शासकीय स्वामित्व वाली विशेष कंपनी (एसपीवी) 'जबलपुर-इंदौर इकोनॉमिक कॉरिडोर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड' गठित करने की स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृति अनुसार कंपनी पर मध्यप्रदेश शासन का पूर्ण स्वामित्व एवं नियंत्रण रहेगा।

कंपनी के सुदृढ़ वित्तीय आधार के लिए राज्य शासन द्वारा 100 करोड़ रुपए की प्रारंभिक चुकता पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी। कंपनी के प्रभावी संचालन और नीतिगत निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय सामान्य निकाय गवर्निंग काउंसिल गठित की जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा नामित एवं नियुक्त उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक सशक्त कार्यकारी निकाय के माध्यम से कंपनी के कार्यों का संचालन किया जाएगा। इकॉनॉमिक हब के तीव्र और सुव्यवस्थित विकास के उद्देश्य से विशेष कंपनी को भूमि की पहचान, भूमि प्रबंधन, भू-अर्जन, भूमि विकास, जोनिंग, मास्टर प्लानिंग, ले-आउट, भू-आवंटन, लीज/सब-लीज, मोनेटाइजेशन तथा बुनियादी व सामाजिक अधोसंरचना के विकास की शक्तियां प्रदान की जाएंगी। आवश्यकतानुसार राज्य शासन की भूमि सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से रियायती दर या निर्धारित शर्तों पर कंपनी को उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना में वन भूमि की आवश्यकता होने पर संबंधित केंद्रीय एवं राज्य कानूनों, पूर्वानुमोदन, क्षतिपूर्ति वनीकरण तथा एनपीवी सहित सभी वैधानिक शर्तों की पूर्ति के बाद ही भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

एशियाड पदकवीरों से मिले पीएम मोदी, खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला



पीएम मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की है। खेल मंत्रालय की तरफ से दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खास कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें खिलाड़ियों ने पीएम के साथ मुलाकात की। इस दौरान कोई हॉकी स्टिक लेकर पहुंचा और पीएम के साथ फोटो क्लिक करवाई, तो कोई अपनी जर्सी का फ्रेम लेकर पीएम से मिलने पहुंचा।

रक्कफविवाद के बीच चुनाव आयोग का आदेश

एमपी-यूपी सहित 17 राज्यों-UT में वोटर लिस्ट अपडेट होगी

एजेन्सी, नई दिल्ली



चुनाव आयोग ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान समेत 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट का स्पेशल समरी रिवीजन कराने का निर्देश दिया है। आयोग ने संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लेटर भेजा है।

रफके तहत वोटर लिस्ट में नए नाम जोड़े जाएंगे और पहले से दर्ज जानकारी में गलतियां सुधारी जाएंगी। 2027 में 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवा भी नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह आदेश स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर विवाद और विरोध के बीच आया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, रफ का मकसद वोटर लिस्ट को अपडेट रखना है। ताकि कोई भी पात्र नागरिक लिस्ट में नाम दर्ज कराने से न छूटे। इसमें युवाओं और पहली बार वोट देने वाले लोगों पर खास ध्यान दिया जाएगा। 1 जनवरी 2027 के अलावा 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 को 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवा भी पहले से आवेदन कर सकेंगे। आयोग ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी पात्र मतदाताओं से आवेदन लेने की कोशिश की जाए।

चुनाव आयोग के रफसे जुड़े आदेश में रक्कके दौरान वोटर लिस्ट में नाम शामिल नहीं हो पाने वाले लोगों के लिए अलग से प्रक्रिया नहीं बताई गई है। हालांकि, रक्कके दौरान जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम नहीं होने पर संबंधित व्यक्ति फॉर्म-6 भरकर नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकता है। इसके साथ जरूरी दस्तावेज भी देने होंगे।

बाल-बाल बचे प्रधानमंत्री

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर हमला किया, 4 की मौत



एजेन्सी, अदन

यमन के अदन शहर में हूती विद्रोहियों ने राष्ट्रपति भवन पर 5 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के समय प्रधानमंत्री शाया मोहसेन अल-जिंदानी और सरकार के कई मंत्री परिसर में मौजूद थे, सभी सुरक्षित हैं। सूचना मंत्रालय के मुताबिक, हमले में 4 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 2 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

हूती विद्रोहियों ने कहा कि उन्होंने अदन में सऊदी अरब के सैन्य अभियान मुख्यालय पर हमला किया। हूती मीडिया ने हथियारों के भंडार को निशाना बनाने का दावा भी किया। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है। अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार की अंतरिम राजधानी है। देश में सरकार और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच लंबे समय से संघर्ष जारी है।

यमन में हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है और हूतियों के खिलाफ लड़ रहे सरकारी सेनाओं को हवाई मदद देता है। वहीं, ईरान पर हूती विद्रोहियों को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं।

राष्ट्रपति भवन परिसर पर हमले से यमन में संघर्ष और बढ़ने की आशंका है। हूतियों ने कहा है कि उनका निशाना सऊदी सैन्य अभियान से जुड़े ठिकाने थे।

21 अक्टूबर को खुलेगा आईपीओ

मुकेश अंबानी की जियो ने फाइल किया आरएचपी



एक सत बुलेटिन

मुंबई डेस्क। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के सपोर्ट वाले जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ का इंतजार खत्म हो चुका है। कंपनी ने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल कर दिया है।

आरएचपी में दी गई जानकारी के मुताबिक, आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। एंकर इन्वेस्टर की बोली लगाने की तारीख 19 अक्टूबर तय की गई है। आरएचपी फाइल करना पब्लिक ऑफरिंग की प्रक्रिया में एक और कदम है। इश्यू की अन्य जानकारी, जैसे कि इसका प्राइस बैंड और दूसरी शर्तें, प्रॉस्पेक्टस में दी गई हैं।

23 अक्टूबर तक खुला रहेगा जिओ का आईपीओ

आरएचपी के अनुसार, एंकर इन्वेस्टर की बोली के लिए 19 अक्टूबर की तारीख तय की गई है। आईपीओ तीन दिनों के लिए खुला रहेगा - 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक और एंकर इन्वेस्टर की बोली इश्यू खुलने से दो दिन पहले होगी।

रिलायंस के शेयर धारकों के लिए रिजर्व हैं इतने शेयर

आईपीओ में योग्य कर्मचारियों के लिए 500 करोड़ रुपये तक के शेयर और योग्य रिलायंस इंडस्ट्रीज शेयरधारकों के लिए 2,500 करोड़ रुपये तक के शेयर रिजर्व किए जाएंगे, जिससे कुल रिजर्वेशन 3,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। इस रिजर्वेशन की सबसे अट्रैक्ट करने वाली बात है कि यह रिटेल निवेशकों को बेहतरीन फ्लेक्सिबिलिटी देता है। शेयरधारक कोटे के तहत एक व्यक्ति अधिकतम 2 लाख रुपये तक की बोली लगा सकता है। हालांकि, असली फायदा यह है कि निवेशक अलग-अलग कैटेगरी में एक से ज्यादा आवेदन जमा कर सकते हैं। जैसा कि 'आईपीओ मार्केट' ने बताया है कि यह योग्य RIL निवेशक शेयरधारक कोटे में बोली लगाने के साथ-साथ आम रिटेल या नॉन-इस्टीट्यूशनल कैटेगरी में भी एक और बोली लगा सकता है।

अमरीका के हिंदू मंदिर में नरसंहार की साजिश

नवरात्र के पहले दिन हमला करने पहुंचा था, मौके पर रायफल जाम



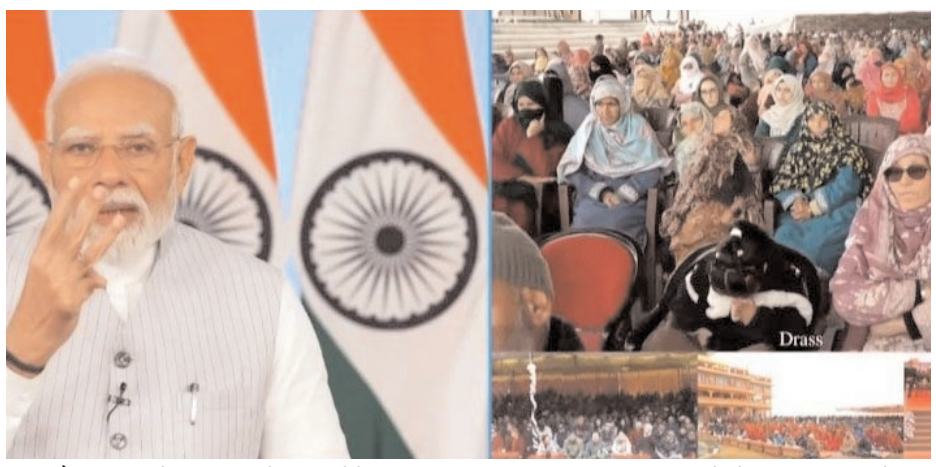
एजेन्सी, शिकागो

अमरीका में इलिनोइस राज्य के शिकागो उपनगरीय क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़े हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर गोलीबारी करने की गहरी साजिश को विफल कर दिया है। पुलिस ने इस सिलसिले में स्वयं को श्वेत नस्लवादी बताने वाले 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है, जिसकी राइफल अंतिम समय में जाम हो जाने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। नवरात्र के त्योहारी मौसम के बीच सामने आई इस घटना के बाद हिंदू समुदाय में चिंता व्यक्त की गई है। यह घटना पिछले रविवार की है, जिसका खुलासा अमरीकी अधिकारियों ने स्थानीय समयानुसार बुधवार दोपहर बाद लगभग 1:54 बजे (भारतीय समयानुसार बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात लगभग 12:24 बजे) किया। पैलाटाइन और माउंट प्रॉस्पेक्ट पुलिस विभाग ने आरोपी अलेक्सांद्रोस पापोराकिस को रविवार को गिरफ्तार किया था।

तीन गुना बढ़ेगी लेह एयरपोर्ट की क्षमता

लद्दाख को प्रधानमंत्री मोदी की 3,350 करोड़ की सौगात

एजेन्सी, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लद्दाख में करीब 3,350 करोड़ रुपए की पांच प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से हवाई यात्रा, सड़क संपर्क, बिजली और सिंचाई की सुविधाएं बेहतर होंगी। साथ ही लद्दाख की प्राचीन विरासत को सहेजने के लिए देश के पहले शैलचित्र संरक्षण पार्क की भी शुरूआत की गई।

प्रधानमंत्री ने लेह में कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डे के 650 करोड़ रुपए की लागत से बने नए टर्मिनल का उद्घाटन किया। इससे हवाई अड्डे की उड़ान क्षमता तीन गुना हो जाएगी और यात्रियों को संभालने की वार्षिक क्षमता 10 लाख से बढ़कर 35 लाख हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला हवाई अड्डा टर्मिनल है, जहां सौर ऊर्जा के साथ भू-तापीय ऊर्जा से गर्म रखने की व्यवस्था की गई है। विषम परिस्थितियों में भी यह सुविधा मिलेगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि लद्दाख में आधुनिक सुविधाएं विकसित करते समय पर्यावरण का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

पीएम मोदी ने 2,500 करोड़ रुपये की निमू-पदुम-दरचा सड़क भी जनता को समर्पित की। इससे यात्रा का समय 12 घंटे से घटकर तीन घंटे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सड़क से लोगों का समय बचेगा और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने हानू जलविद्युत परियोजना और उससे जुड़े बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को भी समर्पित किया। उन्होंने कहा कि भरोसेमंद बिजली से ग्रामीण क्षेत्रों में घरों को रोशन करने के साथ बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य सेवाओं और छोटे कारोबार को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने पूगा घाटी में बिजली उत्पादन से जुड़ी आधुनिक परियोजनाओं का भी जिक्र किया। किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परियोजना अमृत हिम सरोवर के तहत बनाए गए 40 जलाशय भी जनता को समर्पित किए गए। उन्होंने कहा कि इन जलाशयों से खेती के जरूरी समय में किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पहले की सरकारों ने लद्दाख के विकास को प्राथमिकता नहीं दी लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार के लिए लद्दाख का विकास बहुत बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा,ह्व हमेशा से यह कहा जाता है कि लद्दाख में प्रकृति के कारण जीवन बहुत मुश्किल होता है। प्राकृतिक वातावरण के अपने चैलेंज होते हैं लेकिन वर्ष 2019 में लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद से वहां बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है।ह्व उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क 1,800 किलोमीटर से बढ़कर 4,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है। बड़े पुलों की संख्या 19 से बढ़कर करीब 75 और हेलीपैड की संख्या सात से बढ़कर 40 से अधिक हो गई है। घरों में नल से पानी की पहुंच 3.5 प्रतिशत से बढ़कर करीब 99 प्रतिशत हो गई है। अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या भी दोगुनी हुई है। उन्होंने कहा कि जोजिला सुरंग बनने से हर मौसम में राष्ट्रीय संपर्क सुविधा मिलेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार लद्दाख के विकास को प्राथमिकता दे रही है। क्षेत्र में सर्दियों के पर्यटन और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत 40 से अधिक सीमावर्ती बस्तियों का विकास किया जा रहा है, जिससे दूरदराज के गांवों में भी रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लद्दाख में होमस्टे की संख्या करीब 150 से बढ़कर 3,000 हो गई है।

जबलपुर में 90 किलो चांदी से सजा मां का दरबार:

पेंटिनाका में 12 ज्योतिर्लिंग और गोरा बाजार में हवा महल झांकी आकर्षक







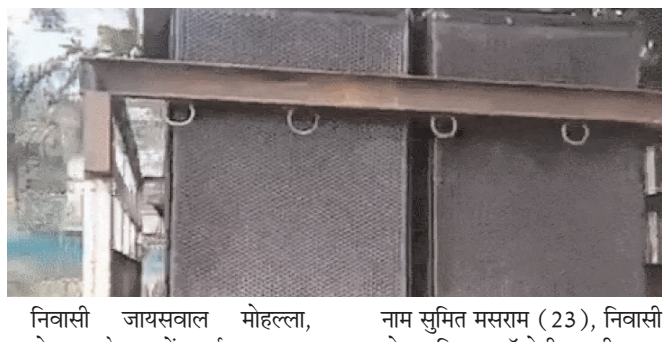
एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शारदीय नवरात्रि में शहर में मां दुर्गा के दरबार सज गए हैं। सदर, सिविल लाइन और गोरा बाजार सहित विभिन्न क्षेत्रों में आकर्षक झांकियां और विशेष सजावट श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही हैं। शहर के प्रमुख पंडालों में कहीं चांदी से माता का श्रृंगार किया गया है तो कहीं प्रसिद्ध मंदिरों और धार्मिक स्थलों की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। सदर की गली नंबर-7 स्थित श्री बाजार काली दुर्गा उत्सव समिति ने इस साल माता का दरबार करीब 90 किलो चांदी से सजाया है। इसमें 45 किलो का सिंहासन, 13.5 किलो का छत्र, 11 किलो का मुकुट और 5-5 किलो के हार शामिल हैं। इसके अलावा करधन, शेर का श्रृंगार, दो हाथी और चरण पादुकाएं भी चांदी की हैं। सदर क्षेत्र में अन्य समितियों ने भी आकर्षक सजावट की है। गली नंबर-11 स्थित श्री दुर्गोत्सव समिति में मां का 8 किलो चांदी से विशेष श्रृंगार किया गया है। वैष्णवी दुर्गा उत्सव समिति गली नंबर-2/9 पिछले 58 साल से अपनी परंपरा निभा रही है। वहीं, गली नंबर-3/9 स्थित श्री सिद्ध गणेश परिवार दुर्गा उत्सव समिति में गणेश और कार्तिकेय के साथ मां की पूजा की जा रही है। सदर में कहीं 27 तो कहीं 28 साल से सज रहे दरबार सदर की गली नंबर-11 स्थित श्री श्री दुर्गा उत्सव समिति पंचमुखी परिवार पिछले 27 वर्षों से भक्तों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सदर मुख्य मार्ग पर महावीर दुर्गा उत्सव समिति अपने 28वें वर्ष में भव्य दर्शन करा रही है। महावीर कंपाउंड सदर में बालाजी दुर्गा उत्सव समिति दूसरे वर्ष में ही श्रद्धालुओं के बीच खास पहचान बना रही है। वहीं, जगदंबा सेवा दुर्गा उत्सव समिति पिछले 17 वर्षों से बर्फ फैक्ट्री परिसर में अनूठा दरबार सजा रही है। गोरा बाजार क्षेत्र में भी नवरात्रि की रौनक देखते ही बन रही है। न्यू ज्योति दुर्गा उत्सव समिति (शिवाजी), गोरा बाजार में 51 शक्तिपीठों में शामिल सुरकंडा देवी मंदिर की झांकी बनाई गई है। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति, आजाद चौक में हवा महल की प्रतिकृति तैयार की गई है। मित्र मिलन दुर्गा उत्सव समिति, बिलहरी में मां महिषासुर मर्दिनी के स्वरूप में विराजमान हैं। वहीं, जय मां दुर्गा उत्सव समिति में 'पेंटीनाका की महारानी' के दरबार में श्रद्धालुओं को द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने का अवसर मिलेगा सिविल लाइन क्षेत्र में भी आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं। यहां बाल दुर्गा उत्सव समिति में ग्वारीघाट की तर्ज पर नौका विहार की व्यवस्था की गई है। सिविल लाइन मुख्य मार्ग पर कालचक्र महाकाली विशेष चूड़ियों के साथ दर्शन दे रही हैं। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सजे इन दरबारों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। रोशनी और आकर्षक सजावट से पंडालों में नवरात्रि का उल्लास छाया हुआ है।

तेज आवाज में डीजे बजाने पर पुलिस की कार्रवाई:

गोरखपुर और बेलबाग में 2 वाहन समेत 18 साउंड बॉक्स जब्त, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई जारी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



नवरात्र पर्व के दौरान शहर में नियमों को ताक पर रखकर तेज आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गोरखपुर और बेलबाग थाना क्षेत्रों में चेकिंग के दौरान तेज आवाज में डीजे बजा रहे दो वाहनों को जब्त कर लिया है और दोनों वाहन चालकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इन मामलों में डीजे संचालन से संबंधित कोई भी वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं की गई थी। गोरखपुर थाना क्षेत्र में 14 अक्टूबर की रात पुलिस गश्त कर रही थी, तभी बंदरिया तिराहे के पास एक लोडिंग वाहन में डीजे साउंड बॉक्स लगाकर तेज आवाज में गाने बजाए जा रहे थे। यह वाहन बंदरिया तिराहे से रामपुर चौक की ओर जा रहा था, जहां मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जानी थी। अत्यधिक तेज आवाज के कारण आसपास के राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। पुलिस ने वाहन को रोककर जब चालक से नाम-पता पूछा तो उसने अपनी पहचान नितिन राजपूत (33), निवासी जायसवाल मोहल्ला, गोरखपुर के रूप में बताई। वह वाहन में 6 डीजे साउंड बॉक्स लगाकर तेज आवाज में गाने बजा रहा था। पुलिस द्वारा डीजे बजाने की अनुमति मांगने पर वह कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने लोडिंग वाहन, 6 साउंड बॉक्स और एक मिक्सर मशीन को जब्त करते हुए मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया। इसी प्रकार बेलबाग थाना क्षेत्र में देर रात गश्त के दौरान घमापुर चौक के पास एक नीले रंग की टाटा इंट्रा गाड़ी में तेज आवाज में डीजे बजता पाया गया, जिससे क्षेत्रीय निवासियों को काफी परेशानी हो रही थी। पुलिस ने वाहन रुकवाकर चालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम सुमित मसराम (23), निवासी मोहन बिहार कॉलोनी, शाहीनाका, गढ़ा बताया। तेज आवाज में गाने बजाने के संबंध में अनुमति मांगने पर उसने भी अनुमति न होने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, चालक द्वारा जिला दंडाधिकारी जबलपुर के आदेशों का प्रत्यक्ष उल्लंघन किया जा रहा था। पुलिस ने टाटा इंट्रा गाड़ी को जब्त कर लिया, जिसमें एक डीजल जनरेटर, 12 डीजे साउंड बॉक्स, 8 बेस बॉक्स, 4 टॉप बॉक्स, 5 एलईडी पार्क लाइट, मिक्सर, एम्प्लीफायर, क्रॉस ओवर और बैटरी रखी हुई थी। आरोपी चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

साइबर ठगों ने कहीं यूपीआई से रकम की पार, तो कहीं डॉक्टर बनकर ठगा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



साइबर ठग नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। मझौली थाना क्षेत्र में यूपीआई के जरिए खाताधारक के खाते से एक लाख 48 हजार 900 रुपये दूसरे बैंक खातों में ट्रांसफर कर लिए गए। वहीं, संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में विदेश में रहने वाले डॉक्टर के नाम से पहचान बताकर एक युवक से 1.37 लाख रुपये ठग लिए गए। दोनों मामलों में पुलिस जांच कर रही है। मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम लडोई निवासी गुड्डा लाल काछी (47) के खाते में चार लाख रुपये जमा थे। उन्होंने खर्च के लिए 50 हजार रुपये निकाले और शेष राशि में से दो लाख रुपये की एफडी करा दी। इसके बाद खाते में करीब डेढ़ लाख रुपये बचे थे। कुछ दिन पहले जरूरत पड़ने पर गुड्डा लाल बैंक पहुंचे और रुपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन खाते में पर्याप्त रकम नहीं मिली। संजीवनी नगर थाना क्षेत्र की सांई कॉलोनी निवासी गगन केसरवानी भी साइबर ठगी का शिकार हुए। गगन का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की धनवंतरि नगर शाखा में खाता है। पिछले माह सोशल मीडिया पर उनकी पहचान शोरेन मोर्गन नामक व्यक्ति से हुई। उसने खुद को विदेश में रहने वाला डॉक्टर बताया और भारत आने की इच्छा जताई। यात्रा और ठहरने की व्यवस्था को लेकर दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इसी दौरान शोरेन ने गगन को झांसे में लेकर 13 अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से उनके खाते से 1.37 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। ठगी का पता चलने पर मामला पुलिस तक पहुंचा। संजीवनी नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। किसी के कहने पर ऑनलाइन लेनदेन करने से पहले पूरी जांच कर लें।

दिव्यांग इंजीनियरों ने संभाला तकनीकी काम:

एमपी ट्रांसको के बीना सब-स्टेशन में ट्रांसफार्मर मेंटेनेंस में जुटे, बिना हाथ के निभा रहे जिम्मेदारी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में कार्यरत दो दिव्यांग इंजीनियर अपनी शारीरिक सीमाओं को दरकिनार कर तकनीकी और मैदानी कार्यों में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। बीना स्थित 220 केवी सबस्टेशन में 200 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के मानसून-पश्चात रखरखाव के महत्वपूर्ण कार्य में असिस्टेंट इंजीनियर ट्रेनी ऋषिकांत सेन और जूनियर इंजीनियर ट्रेनी शुभम श्रीवास्तव ने अपने सहकर्मियों के साथ मिलकर पूरी मुस्तैदी से काम किया। ये दोनों युवा इंजीनियर डिवीजन के अंतर्गत आने वाले रूटीन, ब्रेकडाउन और प्रिवेंटिव मेंटेनेंस जैसे तकनीकी कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में तकनीकी प्रशिक्षण मपी ट्रांसको के टेस्टिंग डिवीजन 400 केवी बीना में पदस्थ असिस्टेंट इंजीनियर ट्रेनी ऋषिकांत सेन दिव्यांग हैं, इसके बावजूद वे तकनीकी कार्यों में पूरी रुचि दिखा रहे हैं। उनके साथ जूनियर इंजीनियर ट्रेनी शुभम श्रीवास्तव भी परीक्षण और रखरखाव से जुड़े हर कार्य में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। ये दोनों अधिकारी कार्यपालन अभियंता अर्चित श्रीवास्तव के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही, सहायक अभियंता रजत जैन द्वारा उन्हें लगातार आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है और उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है। पावर ट्रांसफार्मर की बारीकी से जांच, तकनीकी परीक्षण और रख-रखाव जैसे जटिल कार्यों में इन दिव्यांग इंजीनियरों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि कंपनी के मैदानी और तकनीकी क्षेत्रों में दिव्यांग कर्मचारियों की सहभागिता तेजी से बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि एमपी ट्रांसको में महिला अधिकारी और कर्मचारी पहले से ही परिचालन, परीक्षण, प्रशासनिक और तकनीकी क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, और अब दिव्यांग इंजीनियरों की यह मैदानी सहभागिता कंपनी के कार्यक्षेत्र में एक नया उदाहरण पेश कर रही है। केवल बीना ही नहीं, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी एमपी ट्रांसको के दिव्यांग अधिकारी विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारियों का कुशलता से निर्वहन कर रहे हैं।

साढ़े चार माह बाद याद आई 600 रुपये में कैसे खरीदें दो यूनिफॉर्म

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए गणवेश खरीदने की राशि जारी करने की तैयारी अब शुरू हुई है, लेकिन नए शिक्षण सत्र के साढ़े चार महीने बीतने के बाद शासन को इसकी याद आई है। अप्रैल से शुरू हुए सत्र में अब अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में विद्यार्थियों के खातों में 600 रुपये पहुंचाने का प्रस्ताव है। सवाल यह है कि इतनी कम राशि में बच्चों के लिए दो यूनिफॉर्म कैसे खरीदी जाएंगी? गणवेश के लिए राशि सीधे विद्यार्थियों या उनके अभिभावकों के बैंक खातों में भेजने की व्यवस्था बनाई गई है। हालांकि, इस व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती यह भी है कि कुछ अभिभावक राशि का उपयोग बच्चों की यूनीफॉर्म खरीदने के बजाय दूसरे कामों में कर लेते हैं। इसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ता है और वे बिना पूरी गणवेश के स्कूल पहुंचने को मजबूर होते हैं। ऐसे में केवल राशि जारी करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए हो राज्य शिक्षा केंद्र के निर्णय के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शासकीय स्कूलों में कक्षा पहली से आठवीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को गणवेश की राशि प्रदान की जानी है। इसमें एकलव्य विद्यालय और कन्या शिक्षा परिसर को शामिल नहीं किया गया है।गणवेश की राशि को लेकर अभिभावकों की चिंता यह है कि 600 रुपये में दो यूनीफॉर्म की व्यवस्था करना आसान नहीं है। कपड़े की कीमत, सिलाई और अन्य खर्चों को देखते हुए यह राशि कम पड़ सकती है।

जहां जिंदगी की आस वहां व्यवस्था में आग, जबलपुर के अस्पताल में हुई घटना ने खड़े किए सवाल

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



विजयनगर स्थित शेल्बी अस्पताल में लगी आग ने एक बार फिर अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। निरीक्षण में सामने आई खामियों के आधार पर स्वास्थ्य विभाग ने शेल्बी अस्पताल का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान फायर एक्जिट गेट पर सामान रखा मिला, कई अग्निशमन सिलिंडर की वैधता समाप्त हो चुकी थी और इलेक्ट्रिकल पैनल में भी अनियमितताएं मिलीं। इसके अलावा, नर्सिंग होम एक्ट के तहत आग जैसी आकस्मिक घटना की तत्काल सूचना देना अनिवार्य होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने विभाग को लिखित प्रतिवेदन, ई-मेल या फोन के माध्यम से सूचना नहीं दी। इस कार्रवाई के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इस बार स्थायी सुधार होगा या कुछ दिनों की सख्ती के बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाएगी। जबलपुर में एक अगस्त 2022 को हुए न्यू लाइफ अस्पताल अग्निकांड के बाद भी सुरक्षा मानकों को लेकर व्यापक कार्रवाई की गई थी। अस्पतालों की जांच, नोटिस और सीलिंग जैसी कार्रवाई के बावजूद समय-समय पर सामने आने वाली घटनाएं निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती हैं।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा 13 अक्टूबर की देर रात प्रशासनिक फेरबदल

कफ सिरप कांड में हटे अफसर को संभाग में पद मिला

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

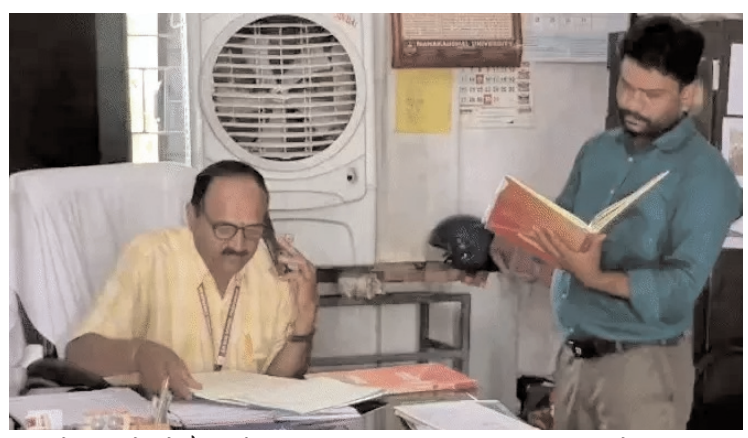


मध्यप्रदेश शासन द्वारा 13 अक्टूबर की देर रात प्रशासनिक फेरबदल के तहत कुल 23 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इस नई सूची में तीन ऐसे विवादास्पद अधिकारियों को फिर से मैदानी पोस्टिंग सौंप दी गई है, जिन्हें पूर्व में गंभीर हादसों, प्रशासनिक लापरवाही या भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों के बाद उनके पदों से हटाया गया था। इन अधिकारियों को दोबारा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने के बाद अब प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में यह सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या इनके खिलाफ चल रही जांच पूरी हो चुकी है या बिना किसी विभागीय कार्रवाई के इन्हें फिर से बड़े पद सौंप दिए गए हैं। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल की आपूर्ति के कारण हुई भीषण त्रासदी के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे थे। इस मामले में हाईकोर्ट के निर्देश पर गठित एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट 30 सितंबर 2026 को सार्वजनिक की गई थी। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया था कि यह त्रासदी पूरी तरह से प्रशासनिक चूक और रख-रखाव में बरती गई गंभीर लापरवाही का परिणाम थी, जिसकी वजह से दूषित पानी पीने से 36 लोगों की मौत हो गई थी। जांच में सामने आया कि इंदौर नगर निगम के तत्कालीन अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया के पास पेयजल पाइपलाइन बदलने से संबंधित टेंडर फाइल पर मंजूरी देने का अधिकार था। उन्होंने 15 अक्टूबर 2025 को संबंधित इंजीनियर को चर्चा के लिए पत्र लिखा था, लेकिन फाइल पर आगे की चर्चा 26 दिसंबर को हो सकी। इस पूरी प्रक्रिया में पूरे 72 दिन का विलम्ब हुआ। न्यायिक आयोग ने इसे सिसोनिया की सीधी निगरानी में हुई गंभीर लापरवाही माना। घटना के तूल पकड़ने पर 2 जनवरी 2026 को उन्हें इंदौर नगर निगम से हटाकर मंत्रालय में कृषि विभाग का उप सचिव बना दिया गया था। न्यायिक आयोग की प्रतिकूल टिप्पणियों के बावजूद उनके खिलाफ आज तक कोई विभागीय जांच शुरू नहीं की गई है। इसके ठीक बाद 13 अक्टूबर को जारी तबादला सूची में उन्हें रायसेन जिले का कलेक्टर नियुक्त कर दिया गया है।

जयपुर से मंगाई इंक, गार्ड-स्वीपर को लाखों का भुगतान

जबलपुर के स्कूल में सफाई का बिल 10 हजार, RTI से खुला प्रिंसिपल का फर्जीवाड़ा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जिले के चरगवां स्थित सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सरकारी पैसों के कथित दुरुपयोग और भारी वित्तीय अनियमितताओं का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्कूल के रिकॉर्ड में कागजी घोड़े दौड़ाकर मनमाने ढंग से सरकारी बजट की बंदरबांट किए जाने के गंभीर आरोप लगे हैं। लगभग चार साल पहले राष्ट्रीय पर्व के खास मौके पर छात्रों को शासन के स्पष्ट निर्देशों के विपरीत पेड़े के बजाय लड्डू बांटे जाने का मामला भी इसी फेहरिस्त में शामिल है। इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब एक स्थानीय नागरिक ने सूचना का अधिकार के तहत विद्यालय के खर्चों से जुड़े दस्तावेज निकलवाए।

आरटीआई से मिले दस्तावेजों के मुताबिक स्कूल में प्रशासनिक स्तर पर किस हद तक मनमानी बरती गई है, इसकी बानगी इन कागजों से साफ झलकती है। स्कूल के रिकॉर्ड में छात्रों को शाही दावत के तौर पर बिरयानी और रसगुल्ले खिलाए जाने का भारी-भरकम खर्च दिखाया गया है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि स्कूल की अपनी छत जगह-जगह से जर्जर हो चुकी है और वहां बने शौचालयों के दरवाजे तक टूटे पड़े हैं। इसके अलावा जयपुर (राजस्थान) से प्रिंटर इंक मंगवाने और गमलों में पौधे सजाकर स्कूल को हरा-भरा दिखाने के नाम पर भी कागजों पर बड़ी रकम का भुगतान दर्शाया गया है, जबकि मौके पर इस तरह का कोई काम नजर नहीं आया।

सबसे दिलचस्प और संदेहास्पद पहलू यह सामने आया है कि विद्यालय के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों और चपरासियों को तकनीकी कार्यों में माहिर 'सुपरमैन' के रूप में पेश किया गया। स्कूल के सफाईकर्मी हीरालाल झारिया के नाम पर मजदूरी, कमरों की पुताई, पेंटिंग, मिट्टी समतलीकरण, वॉशरूम निर्माण, नल कनेक्शन लगाने और पुष्प सज्जा जैसे तमाम तकनीकी काम दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा नलकूप से मोटर निकलवाने के नाम पर 7,500 रुपये और बच्चों के हाथ धोने वाले हैंडवॉश प्लेटफॉर्म के निर्माण के नाम पर लाखों रुपये के फर्जी भुगतान के कागजात तैयार किए गए। चबूतरे की पुताई, झाड़ियों की साफ-सफाई और पाइप पेंटिंग जैसे छोटे-छोटे कार्यों के नाम पर भी धड़ल्ले से पैसे निकाले गए। सामने आई जांच रिपोर्ट के अनुसार एक ही वित्तीय वर्ष के भीतर विद्यालय के निचले स्तर के कर्मचारियों के बैंक खातों में असामान्य रूप से भारी-भरकम राशि ट्रांसफर की गई है।

छह राज्यों के युवाओं ने भारतीय इतिहास, स्थापत्य कला, जनजातीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत को करीब से जाना; सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

राष्ट्रीय युवा शिविर में युवाओं ने किया सांची स्तूप एवं प्रमुख संग्रहालयों का भ्रमण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**





वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मेरा युवा भारत, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वंदे मातरम् युवा शिविर 2026-27 के अंतर्गत देश के छह राज्यों से आए युवा प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित होने के उद्देश्य से सांची स्तूप, जनजातीय संग्रहालय तथा राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण किया। इस शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण का उद्देश्य युवाओं को भारत के गौरवशाली इतिहास, प्राचीन स्थापत्य कला, जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता से जोड़ना था। सांची स्तूप के भ्रमण से जाना भारत का गौरवशाली इतिहासभ्रमण के दौरान युवाओं ने विश्वप्रसिद्ध सांची स्तूप की ऐतिहासिक महत्ता, वास्तुकला एवं कलात्मक विशेषताओं को करीब से देखा। प्रतिभागियों ने स्तूप के विशाल गुंबद, हर्मिका, शीर्ष पर स्थित छत्रों तथा प्रवेश द्वारों पर उकेरी गई कलाकृतियों का अवलोकन किया। तोरण द्वारों पर अंकित जातक कथाओं एवं भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित प्रसंगों ने युवाओं को भारतीय कला और प्राचीन शिल्प परंपरा की समृद्धि से परिचित कराया।इस भ्रमण के माध्यम से युवाओं को पुस्तकों में पढ़े गए इतिहास को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने सांची की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण तथा उसके सांस्कृतिक महत्व के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जनजातीय संग्रहालय एवं राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में देखी भारत की सांस्कृतिक विविधता सांची भ्रमण के पश्चात युवाओं ने भोपाल स्थित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय तथा राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण किया।

यहाँ प्रतिभागियों ने देश की विभिन्न जनजातियों की पारंपरिक जीवनशैली, कला, शिल्प, रीति-रिवाजों, मान्यताओं और सांस्कृतिक परंपराओं को करीब से जाना। इन संग्रहालयों में प्रदर्शित विविध सांस्कृतिक स्वरूपों ने युवाओं को भारत की बहुरंगी विरासत और विविधता में एकता की भावना को समझने का अवसर प्रदान किया। यह अनुभव युवाओं के लिए ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का भी महत्वपूर्ण माध्यम बना। छह राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दिया एकता का संदेश राष्ट्रीय वंदे मातरम् युवा शिविर के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों में विभिन्न राज्यों से आए युवा प्रतिभागियों ने अपनी क्षेत्रीय संस्कृति, लोक परंपराओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों को एक-दूसरे की परंपराओं को जानने और समझने का अवसर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं में आपसी सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, पारस्परिक सम्मान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को प्रोत्साहित किया गया। शिविर की गतिविधियाँ युवाओं को देश की विविध परंपराओं से जोड़ने और उनमें राष्ट्रीय गौरव की भावना मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री पर संयुक्त कार्रवाई और नशामुक्ति केंद्रों की ऑनलाइन निगरानी के निर्देश

नशे से दूरी है जरूरी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं शिक्षण संस्थानों की एंटी ड्रग कमेटियां : कलेक्टर मिश्रा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग कमेटियों का गठन कर उन्हें सक्रिय बनाया जाए तथा 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के अंतर्गत नियमित जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं। कलेक्टर श्री मिश्रा कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कलेक्टर ने नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस, जिला प्रशासन, राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) तथा संबंधित विभागों को समन्वय से संयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान किया जाए और अंतरजिला एवं अंतरराज्यीय मामलों में संयुक्त जांच के माध्यम से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सामाजिक न्याय विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, नशामुक्ति केंद्रों और स्वयंसेवी संस्थाओं के समन्वय से स्कूल-कॉलेजों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार कार्ययोजना एवं गतिविधियों का कैलेंडर तैयार करने, सभी शासकीय महाविद्यालयों में एंटी ड्रग कमेटियां गठित कर नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा गतिविधियों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने को कहा। युवाओं तक अभियान का संदेश पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया और इन्फ्लुएंसर्स का सहयोग लेने के निर्देश भी दिए गए। मेडिकल स्टोर्स का नियमित निरीक्षण, उल्लंघन पर कार्रवाई बैठक में ड्रग इंस्पेक्टर को संदिग्ध एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले मेडिकल स्टोर्स का डेटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए गए। और नशीली दवाओं की अवैध बिक्री में संलिप्त विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई पर जोर दिया गया। नशामुक्ति केंद्रों में उपचार और पुनर्वास की होगी प्रभावी निगरानी कलेक्टर ने जिले के नशामुक्ति केंद्रों की गतिविधियों, उपचार एवं पुनर्वास की निगरानी के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी शासकीय एवं निजी नशामुक्ति केंद्रों की सूची अद्यतन रखने और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। एनसीबी द्वारा पुलिस, आबकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए प्रभावी प्रवर्तन के साथ सामाजिक जागरूकता और सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। सभी विभाग समन्वित प्रयास करें, ताकि युवाओं को नशे से बचाने और भोपाल को नशामुक्त बनाने की दिशा में ठोस परिणाम प्राप्त हों। राजस्व आसूचना निदेशालय के श्री उत्सव पाराशर, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के एसपी श्री कौशिक मन्ना, एडीएम श्री महेंद्र सिंह कवचे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल मंडल में कोचों के अनुरक्षण को गति, 6 माह में 588 कोचों का पीओएच



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेल द्वारा सुरक्षित, सुचारु एवं विश्वसनीय रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए मुख्य कारखाना प्रबंधक के मार्गदर्शन में कोचों के अनुरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में भोपाल स्थित कोचिंग रिपेयर वर्कशॉप में कोचों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग निर्धारित मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के साथ किया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम छह माह में भोपाल स्थित सीआरडब्ल्यूएस द्वारा कुल 588 कोचों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। वहीं, सितम्बर माह में 115 कोचों का पीओएच किया गया। यह कार्य कोचों की सुरक्षा, विश्वसनीयता एवं बेहतर परिचालन क्षमता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण है। पीरियोडिक ओवरहॉलिंग के दौरान कोचों की बॉडी एवं अंडरगियर की मरम्मत, ट्रॉली एवं बोगी के महत्वपूर्ण पुर्जों का अनुरक्षण, एयर ब्रेक प्रणाली, बफर तथा अन्य सुरक्षा संबंधी उपकरणों का परीक्षण एवं मरम्मत की जाती है। इसके अतिरिक्त, पहियों एवं धुरियों का विस्तृत निरीक्षण कर आवश्यक रखरखाव किया जाता है, ताकि कोचों की गुणवत्ता एवं परिचालन सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कोचों के नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण अनुरक्षण से तकनीकी खराबियों की संभावना कम होती है तथा ट्रेनों का परिचालन अधिक सुरक्षित एवं सुचारु बनाने में सहायता मिलती है।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस पर अमरावती-जबलपुर एक्सप्रेस का अजनी स्टेशन पर एक मिनट का अस्थायी ठहराव



■ एक सत बुलेटिन, **रायसेन**

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं भीड़ प्रबंधन के उद्देश्य से भोपाल मंडल के इटारसी होकर संचालित गाड़ी संख्या 12159 अमरावती-जबलपुर एक्सप्रेस को दिनांक 19 अक्टूबर 2026 (सोमवार) को अजनी स्टेशन पर एक मिनट का अस्थायी ठहराव प्रदान किया जा रहा है। भोपाल मंडल के इटारसी होकर संचालित होने वाली इस गाड़ी का अजनी स्टेशन पर ठहराव निर्धारित किया गया है।

जारी समय-सारणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 12159 अमरावती-जबलपुर एक्सप्रेस अजनी स्टेशन पर 19:30 बजे पहुंचेगी तथा 19:31 बजे प्रस्थान करेगी। धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए यह अस्थायी ठहराव दिया गया है, जिससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिल सके तथा अतिरिक्त भीड़ के प्रबंधन में सहायता प्राप्त हो। रेलवे प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे अपनी यात्रा की योजना निर्धारित समय-सारणी के अनुसार बनाएं तथा ट्रेन के आगमन एवं प्रस्थान से संबंधित अद्यतन जानकारी के लिए रेलवे के आधिकारिक सूचना माध्यमों का अवलोकन करें।

भोपाल मंडल में टीटीई की ड्रेस पर लगेंगे कैमरे

ट्रेनों में टिकट चेकिंग के दौरान यात्री और रेलवे कर्मचारियों के बीच होने वाले विवादों की हकीकत अब कैमरे में कैद होगी। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने टिकट चेकिंग स्टाफ के लिए 56 बॉडी वियरिंग कैमरों का ऑर्डर दिया है। इन कैमरों में कर्मचारी और यात्री के बीच होने वाली बातचीत रिकॉर्ड होगी। इससे शिकायतों की जांच में दोनों पक्षों की बात और घटनाक्रम की पुष्टि करना आसान होगा। रेलवे का मानना है कि इस पहल से टिकट चेकिंग की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और यात्रियों के साथ कर्मचारियों को भी सुरक्षा मिलेगी। भोपाल रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया के मुताबिक मंडल में पिछले दो साल से बॉडी वियरिंग कैमरों की जरूरत महसूस की जा रही थी। अब इन्हें उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अगले 2 से 3 महीने में कैमरों का इस्तेमाल शुरू करने की तैयारी है। कटारिया ने बताया कि टिकट चेकिंग स्टाफ यात्रियों के सीधे संपर्क में रहता है। कई बार बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान विवाद की स्थिति बन जाती है। इसके बाद यात्री शिकायत करते हैं कि चेकिंग स्टाफ ने उन्हें परेशान किया या उनकी बात नहीं सुनी। ऐसी शिकायतों में रेलवे को घटनाक्रम की पुष्टि करने के लिए जांच करनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है।

सिरोंज-लटेरी विधायक उमाकांत शर्मा ने किया लोकार्पण, क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था होगी सुदृढ़

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के विदिशा वृत्त अंतर्गत ग्राम सोजना में नवीन 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री उमाकांत शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय नागरिक एवं मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी उपस्थित रहे। नवीन विद्युत उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने कहा है कि कंपनी सभी श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ग्राम सोजना में नवीन विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अघोषित बिजली कटौती बंद न होने पर होगा उग्र आंदोलन

सांकेतिक प्रदर्शन में सरकार को चेतावनी-हाईवे जाम करने पर मजबूर मत करो

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



लोड शेडिंग और अघोषित बिजली कटौती के कारण ग्रामीणों का जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है, भक्तगण नवरात्र में मां जगदम्बा की आरती अंधेरे में करने को विवश हैं। ग्रामीण क्षेत्र में हर शाम से रात तक की बिजली कटौती के चलते गंभीर आपराधिक घटनाओं का भय बढ़ता जा रहा है इस स्थिति में किसी भी अप्रिय घटना के जिम्मेदार मुख्यमंत्री होंगे, यह कहना है पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा का। उन्होंने गुरुवार को ग्रामीण कांग्रेस कार्यकर्ताओं और रहवासियों के साथ बिजली कटौती के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन किया। रायसेन रोड बायपास चौराहे पर आयोजित सांकेतिक प्रदर्शन में विष्णु विश्वकर्मा ने शासन प्रशासन पर शहर की तुलना में ग्रामीणों से भेदभाव करने के आरोप लगाते हुए कहा कि शहर में लक्धक आयोजनों की बहार चल रही है और गाँव में मां भवानी के पंडालों में अंधेरा पसरा हुआ है। किसान नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा ने कहा कि जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी एयर कंडीशन दफ्तरों में बैठे हैं और गांव में हमारे अन्नदाता किसान वर्ग का भविष्य अंधेरे में डूबा हुआ है। सांकेतिक प्रदर्शन के दौरान शासन प्रशासन को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों द्वारा दो दिवस के अंदर व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया गया था, अगर दो दिवस में अघोषित बिजली कटौती पर लगाम नहीं लगाई गई तो कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़क को जाम कर उग्र प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, किसानों के हित की रक्षा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले प्रत्येक नागरिक के मूलभूत अधिकारों के लिए कांग्रेस हमेशा चिंतित रही है और इसी कारण बिजली कटौती के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन किया गया है।

कार्यालय नजूल अधिकारी
तहसील कोलार, भोपाल
(मध्यप्रदेश नजूल भूमि निर्वर्तन निर्देश, 2020)
(अध्याय दो राज्य शासन के किसी विभाग नजूल भूमि का हस्तांतरण कंडिका 13(2) अध्याय-नौ, प्रकीर्ण कंडिका 142 के अनुसार)
प्र.क्र. 0017/अ-20(3)/2026-27

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर जिला भोपाल म.प्र. का पत्र क्रमांक 326/आर.एम. शाखा/2026 भोपाल दिनांक 03.09.2026 से **ग्राम रतनपुर** सड़क तहसील कोलार स्थित भूमि खसरा नम्बर 118, 560, 81, 139, 110, 482, 96, 443, 124, 584, 119, 583/2, 36, 128, 877, 127, 587/1 के कुल रकबा 11.5800 हेक्टेयर में से 1.8830 हेक्टेयर भूमि मध्यप्रदेश रोड डेव्हलपमेंट कार्पो. लिमि. को पश्चिम बायपास 4 लेन मार्ग निर्माण हेतु म.प्र. नजूल भूमि निर्वर्तन निर्देश 2020 अनुसार प्रारूप-1 में आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो कि दस्तावेजों सहित प्राप्त हुआ है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वह इस उद्घोषणा के जारी होने के पश्चात् आगामी **15 दिवस तक** इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात् आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

म.प्र. माध्यम/128606/2026 न्यायालयीन मुद्रा

नजूल अधिकारी कोलार, भोपाल

संपादकीय

भारत में सूखा

भारत में सूखा पड़ रहा है। मॉनसून बीते अभी एक माह भी नहीं हुआ, लेकिन देश में जल-आपातकाल के हालात बन गए हैं। करीब 10 साल के अंतराल के बाद 2026 में अब भारत में सूखे की स्थितियां स्पष्ट हो चुकी हैं। करीब 70.6 फीसदी हिस्सा, किसी न किसी रूप में, सूखे का सामना कर रहा है। बुनियादी कारण कम बारिश ही नजर आता है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर इस बार सामान्य से करीब 13 फीसदी बारिश कम हुई है। देश के 300 बड़े जलाशयों में पानी बहुत कम है।

तालाब तो शहर-दर-शहर सूख चुके हैं। कम बारिश, अनियमित बारिश और अलनीनो के व्यापक प्रभाव के कारण स्थितियां यहां तक पहुंच चुकी हैं कि गोवा में 94.6 से 100 फीसदी, जम्मू-कश्मीर में करीब 82 फीसदी, पंजाब में करीब 80 फीसदी, कर्नाटक में 76.3 फीसदी, अरुणाचल प्रदेश में 76.1 फीसदी, तेलंगाना में करीब 76 फीसदी, महाराष्ट्र में 70-84 फीसदी, हरियाणा में करीब 76 फीसदी और बिहार में 70 फीसदी से अधिक इलाके सूखा-प्रभावित माने जा रहे हैं। महाराष्ट्र में 358 में से 265 तालुकाओं को सूखाग्रस्त घोषित किया जा चुका है। कर्नाटक ने केंद्र से 11,000 करोड़ रुपए की मदद मांगी है। आंध्रप्रदेश ने भी केंद्र सरकार से मदद के अलावा सबसिडी की गुहार भी लगाई है। भारत में 1871 से 2026 के बीच 27 सूखे वर्ष दर्ज किए जा चुके हैं। हालांकि लगातार दो साल सूखा पड़ा हो, ऐसा अपेक्षाकृत दुर्लभ ही रहा है। 2001 के बाद 6 में से 5 सूखे अलनीनो से जुड़े और प्रभावित रहे हैं। मौजूदा संदर्भ में मजबूत अलनीनो का असर 2027 तक बना रह सकता है। बहरहाल सूखे का पहला असर कृषि पर होगा। सोयाबीन, बागवानी और खरीफ की अन्य फसलों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा।

कई इलाकों में सोयाबीन की फलियों में दाने तक नहीं बन पाए हैं। कृषि से जुड़ा पहला सवाल यह है कि क्या देश में खाद्य-संकट पैदा हो सकता है? क्या अकाल और भुखमरी के हालात भी बन सकते हैं? विशेषज्ञ मान रहे हैं कि सूखे के कारण 15,000 से अधिक मौतें हो सकती हैं! यह घोर त्रासद होगा! भारत में खाद्य-सुरक्षा के अधिकार का कानून है। भारत सरकार गेहूं, चावल, चना, चीनी और अन्य अनाजों के पर्याप्त भंडारों का दावा करती रही है। सरकार आज भी करीब 81.5 करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन बांट रही है। बाजार में भी कोई संकट या कमी नहीं है, लिहाजा खाद्य-संकट के तात्कालिक आसार नहीं लगते। जहां तक जीडीपी का सवाल है, उसमें अब कृषि का करीब 16 फीसदी योगदान है। आजादी के वक्त यह योगदान 52 फीसदी था। किसान की करीब 39 फीसदी आमदनी ही खेती से होती है, शेष वह मजदूरी से कमाता है। यह भी कृषि के संदर्भ में विडंबना है कि हम उसे आमदनी का बुनियादी, ठोस आधार नहीं बना पाए, नतीजतन किसान आज भी गरीब और कर्जदार है। यह देश की अर्थव्यवस्था का भी एक कुरूप यथार्थ है।

बहरहाल सूखे का असर किसानों और देश की आर्थिक विकास दर पर कितना पड़ेगा, यह आकलन आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा, क्योंकि सिंचाई के लिए अब नलकूपों, छोटे-छोटे चैक डैम आदि का व्यापक इस्तेमाल किया जाता है। उनके लिए भी पानी की आवश्यकता बुनियादी है और सूखे से पहले ही कई इलाकों में भू-जल स्तर में भारी गिरावट आई है। निजी और व्यापारिक तौर पर बोरिंग कराई जा रही हैं, लेकिन भूमिगत जल नहीं है, तो बोरिंग से भी पानी कहां से मिलेगा?

सूखे के कारण पेयजल, पशुओं के चारे की किल्लत भी बढ़ गई है, नतीजतन किसानों को औने-पौने दामों पर अपने मवेशी तक बेचने को बाध्य होना पड़ रहा है। देश के करीब 86 फीसदी किसानों के पास औसतन एक हेक्टेयर से भी कम जमीन है। यदि सूखे के कारण उसकी आमदनी प्रभावित होती है, तो घर खर्च, बच्चों की स्कूल फीस, दवा-इलाज, जीवन की अन्य बुनियादी जरूरतों के लिए पैसा कहां से आएगा?

खाद्य पदार्थों के उपभोग में पूरे विश्व को आज भारत जैसे संयम की आवश्यकता है

प्रहलाद सबनानी

> विकसित देशों में पूंजीवाद की व्यवस्था के चलते नागरिकों में मैं की भावना रहती है एवं वे केवल अपने विकास की बात करते दिखाई देते हैं एवं पदार्थों का अधिकतम उपभोग करते हैं। ईसाई एवं इस्लाम धर्मों में पुनर्जन्म की व्यवस्था पर विश्वास नहीं किया जाता है एवं जो कुछ करना है इसी जन्म में भोगना है, अर्थात जो कुछ करना है आज ही करना है कल किसने देखा है, की मानसिकता से अपना जीवन यापन करते हैं, जिससे पदार्थों का उपभोग उच्च स्तर तक जाकर करते हैं।

वर्ल्ड वाइड फंड फार नेचर (जिसे विश्व वन्यजीव कोष भी कहा जाता है) के एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विश्व यदि भारत की तरह खाद्य पदार्थों की खपत करता है तो प्रकृति द्वारा इस धरा पर उपलब्ध कराई गई खाद्य सामग्री की आपूर्ति को वर्ष 2050 तक पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चत किया जा सकता है। परंतु विश्व में यदि अर्जेंटीना की तरह खाद्य सामग्री का उपभोग किया जाता है तो खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के लिए इस एक धरा से काम चलने वाला नहीं हैं बल्कि वर्ष 2050 तक इसी प्रकार की 7.42 पृथ्वियों की आवश्यकता होगी। इसी क्रम में, कई प्रमुख देशों में खाद्य पदार्थों के उपभोग को ध्यान में रखकर उक्त रिपोर्ट में यह आकलन करने का प्रयास किया गया है कि यदि पूरा विश्व इन देशों की तरह ही खाद्य पदार्थों का उपभोग करना प्रारम्भ कर दे तो वर्ष 2050 तक विश्व को कितनी पृथ्वियों की आवश्यकता होगी। भारत की तरह खाद्य पदार्थों का सेवन करने पर 0.84 पृथ्वियों की आवश्यकता होगी और इंडोनेशिया की तरह खाद्य पदार्थों का उपभोग करने पर 0.90 पृथ्वियों की आवश्यकता होगी। इसी प्रकार, चीन की तरह - 1.77 पृथ्वी; जापान की तरह - 1.86 पृथ्वी; सऊदी अरब की तरह - 2.08 पृथ्वी; तुर्की की तरह - 2.11 पृथ्वी; दक्षिण कोरीया की तरह - 2.30 पृथ्वी; दक्षिण अफ्रीका की तरह - 2.94 पृथ्वी; मेक्सिको की तरह - 3.03 पृथ्वी; जर्मनी की तरह - 3.36 पृथ्वी; रूस की तरह - 3.42 पृथ्वी; यूरोपीय यूनियन की तरह - 3.52 पृथ्वी; यूके की तरह - 3.98 पृथ्वी; कनाडा की तरह - 4.50 पृथ्वी; इटली की तरह - 4.64 पृथ्वी; फ्रान्स की तरह - 5.02 पृथ्वी; ब्राजील की तरह - 5.21 पृथ्वी; अमेरिका की तरह - 5.55 पृथ्वी; ऑस्ट्रेलिया की तरह - 6.83 पृथ्वी एवं अर्जेंटीना की तरह - 7.42 पृथ्वियों की आवश्यकता होगी।

दरअसल, भारत में सनातन संस्कृति के संस्कारों के अंतर्गत खाद्य सामग्री के संयमित उपयोग को महत्व प्रदान किया जाता है, जिससे खाद्य पदार्थों का निर्माण आवश्यकता के अनुसार ही किया जाता है और इसकी बबार्दी को रोकने के भरपूर प्रयास किए जाते हैं। दूसरे, संयुक्त परिवार के चलते चार सदस्यों के साथ पांचवा सदस्य अथवा मेहमान भी समयोजित हो जाता है। अतः खाद्य पदार्थों का सर्वोत्तम उपयोग सम्भव होता है। बचपन में ही नागरिकों में यह संस्कार दिए जाते हैं कि पृथ्वी से उतना ही लें जितना आवश्यक है, अर्थात, प्रकृति का शोषण नहीं करें। तीसरे, भारत में शाकाहार का अनुपालन करने वाले नागरिकों की संख्या बहुत अधिक है एवं मांसाहार का उपयोग भी सीमित मात्रा में ही किया जाता है, जिससे पशु एवं पक्षियों की संख्या पर किसी प्रकार का विपरीत प्रभाव नहीं दिखाई देता है।

स्वामी विवेकानंद वर्ष 1893 से 1897 के बीच चार वर्षों तक सनातन संस्कृति के संस्कारों से पश्चिमी देशों के नागरिकों को अवगत कराने के उद्देश्य से पश्चिमी देशों में प्रवास पर गए थे। उस खंडकाल में भारतीय संस्कारों के प्रति पश्चिमी जगत में कई प्रकार की भ्रांतियां थीं। इन भ्रांतियों को दूर करने में उन्हें बहुत सफलता मिली थी। अमेरिका में आयोजित धर्म संसद में तो स्वामी विवेकानंद के उद्बोधन, जिसकी शुरूआत, अमेरिका में मेरे प्रिय भाईयों और बहनों कहने भर से लगभग 3 मिनिट तक तालियां बजाकर, नागरिकों ने उनका अभिवादन किया था। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा मोहन भागवत भी हाल ही में अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन देशों की यात्रा पर सनातन संस्कृति के संस्कारों से इन देशों के नागरिकों को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रवास पर गए थे। डॉक्टर साहब ने प्रकृति का दोहन करने एवं शोषण नहीं करने का विषय भी वैश्विक स्तर पर पर्यावरण की लगातार बिगड़ रही स्थिति को सम्हालने के संदर्भ में उठाया था। डा भागवत ने अपने प्रवास के दौरान इस बात की चर्चा भी की कि सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन कर न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व की समस्याओं का हल निकाला जा सकता है।

विकसित देशों में पूंजीवाद की व्यवस्था के चलते नागरिकों में मैं की भावना रहती है एवं वे केवल अपने विकास की बात करते दिखाई देते हैं एवं पदार्थों का अधिकतम उपभोग करते हैं। ईसाई एवं इस्लाम धर्मों में पुनर्जन्म की व्यवस्था पर विश्वास नहीं किया जाता है एवं जो कुछ करना है इसी जन्म में भोगना है, अर्थात जो कुछ करना है आज ही करना है कल किसने देखा है, की मानसिकता से अपना जीवन यापन करते हैं, जिससे पदार्थों का उपभोग उच्च स्तर तक जाकर करते हैं। इसके विपरीत भारतीय नागरिक हम की भावना के साथ परिवार के बीच मिलकर रहते हैं। उपभोक्ता के रूप में विभिन्न पदार्थों की प्रति व्यक्ति खपत विकसित देशों की तुलना में भारत में बहुत कम है और सनातन संस्कृति में पुनर्जन्म की व्यवस्था पर विश्वास किया जाता है, जिसके चलते भारतीय नागरिक पदार्थों का उपभोग संयम के साथ करते हैं। भारतीय मनीषी एवं विद्वान भी समय समय पर वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों को आगाह करते रहते हैं कि भोगवादी बनने के स्थान पर संयमित होकर पदार्थों का उपभोग किया जाना चाहिए। भारत के वेदों एवं पुराणों में भी यह उपदेश दिया गया है कि नागरिकों द्वारा किए जाने वाले कर्म एवं काम, धर्म आधारित होने चाहिए एवं संयमित होकर करना चाहिए।

विश्व वन्यजीव कोष की स्थापना 29 अप्रैल 1961 को स्विट्जरलैंड के ग्लैंड में की गई थी। यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है। स्थापना के समय इसके मुख्य उद्देश्यों में शामिल था- पर्यावरण संरक्षण, लुप्तप्राय प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना, वनों, मीठे पानी के स्त्रोतों (नदियों) और महासागरों का संरक्षण करना आदि। आज यह संगठन विश्व के 100 से अधिक देशों में लगभग 1300 संरक्षण एवं पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। वन्यजीव सप्ताह 2026 के अवसर पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मूल्यवान विरासत को सुरक्षित रहखने हेतु आवश्यक है। आपने नागरिकों से वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा में योगदान देने का आग्रह किया है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में सबसे अधिक वनस्पति एवं जीवों

स्टारलिंक की बेचैनी और भारत की डिजिटल

कैलाश चन्द्र

भारत के सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में जियो और स्टारलिंक के अलावा भी महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। अमेजन लियो, जिसे पहले प्रोजेक्ट कुइपर कहा जाता था, अपनी सैटेलाइट इंटरनेट परियोजना के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहता है। वहीं, भारती समूह की यूटेलसैट वनवेब में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। वनवेब की वैश्विक उपग्रह व्यवस्था और भारत में उसकी नियामक स्थिति उसे इस प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण भाग बनाती है। इन कंपनियों की योजनाओं, अनुमतियों और वास्तविक परिचालन क्षमताओं की तुलना करते समय एक ही मानक अपनाना चाहिए। किसी कंपनी की वैश्विक उपग्रह संख्या की तुलना दूसरी कंपनी की केवल भारतीय प्रस्तावित क्षमता से करना उचित नहीं होगा।



अंतरिक्ष आधारित इंटरनेट अब दुनिया की तकनीकी और आर्थिक प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है। भारत जैसे विशाल बाजार में इसकी संभावनाएं और भी व्यापक हैं। यहां करोड़ों उपभोक्ताओं, दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों, सीमावर्ती इलाकों और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के कारण सैटेलाइट इंटरनेट कंपनियों के लिए बड़े अवसर मौजूद हैं। ऐसे में एलन मस्क की स्टारलिंक, रिलायंस जियो, अमेजन लियो और भारती समूह से जुड़ी वनवेब के बीच प्रतिस्पर्धा का महत्व बढ़ जाता है।

अक्टूबर 2026 के पहले सप्ताह में भारत में स्टारलिंक की व्यावसायिक शुरूआत में देरी को लेकर एलन मस्क की तीखी टिप्पणियों ने इस प्रतिस्पर्धा को सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला दिया। मस्क ने कुछ प्रभावशाली कारोबारी हितों पर स्टारलिंक के प्रवेश में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे भारतीय जनता के हितों के विरुद्ध बताया और बाद में मुकेश अंबानी के प्रभाव पर भी सवाल उठाया। राहुल गांधी की एक टिप्पणी पर मस्क ने धन्यवाद देते हुए प्रतिक्रिया दी। इन घटनाओं की रिपोर्ट भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में प्रकाशित हुई।

यह घटनाक्रम एक बड़े प्रश्न को सामने रखता है, भारत में डिजिटल सेवाओं का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा और वैश्विक कंपनियों की व्यावसायिक महत्वाकांक्षाओं तथा भारत के राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाएगा? अब मस्क की दलील का प्रमुख आधार यह है कि स्टारलिंक भारत के उन क्षेत्रों में उच्च गति वाला इंटरनेट पहुंचा सकता है, जहां पारंपरिक नेटवर्क की पहुंच सीमित है। उनकी कंपनी के अनुसार, प्रतिस्पर्धा बढ़ने से उपभोक्ताओं को लाभ मिल सकता है।

इस दलील का एक व्यावहारिक पक्ष है। दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट की उपलब्धता शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, स्थानीय कारोबार, प्रशासन और आपदा प्रबंधन के लिए उपयोगी हो सकती है। यदि स्टारलिंक भारत में आवश्यक सुरक्षा और नियामक शर्तें पूरी करके सेवा शुरू करता है, तो उससे इन क्षेत्रों में अतिरिक्त विकल्प मिल सकते हैं लेकिन इस प्रकरण का दूसरा पक्ष भी है। भारत सरकार ने मस्क के भेदभाव संबंधी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सैटेलाइट संचार सेवाओं की नियामक व्यवस्था निष्पक्ष है।

सरकार के अनुसार, स्टारलिंक, जियो और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब से संबंधित सुरक्षा आकलन की प्रक्रिया चल रही हैं। अर्थात, इस विवाद को एक विदेशी कंपनी बनाम भारतीय कंपनी के रूप में प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं होगा। यहां व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, नियामक अनुपालन और सेवा शुरू करने की अनुमति का प्रश्न भी है।

भारत के सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में जियो और स्टारलिंक के अलावा भी महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। अमेजन लियो, जिसे पहले प्रोजेक्ट कुइपर कहा जाता था, अपनी सैटेलाइट इंटरनेट परियोजना के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहता है। वहीं, भारती समूह की यूटेलसैट वनवेब में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। वनवेब की वैश्विक उपग्रह व्यवस्था और भारत में उसकी नियामक स्थिति उसे इस प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण भाग बनाती है। इन कंपनियों की योजनाओं, अनुमतियों और वास्तविक परिचालन क्षमताओं की तुलना करते समय एक ही मानक अपनाना चाहिए। किसी कंपनी की वैश्विक उपग्रह संख्या की तुलना दूसरी कंपनी की केवल भारतीय प्रस्तावित क्षमता से करना उचित नहीं होगा।

इसी तरह, तकनीकी मूल्यांकन, लाइसेंस, स्पेक्ट्रम आवंटन और व्यावसायिक संचालन की अनुमति अलग-अलग चरण हैं। यह प्रतिस्पर्धा भारत के लिए एक अवसर भी है। यदि उचित नीति और पारदर्शी नियमन के माध्यम से कई सक्षम प्रदाताओं को काम करने का अवसर मिलता है, तो इससे तकनीकी नवाचार, सेवा की गुणवत्ता और उपभोक्ता विकल्प बढ़ सकते हैं। साथ ही, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी कंपनी अपने वैश्विक आकार या आर्थिक शक्ति के आधार पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं से ऊपर न हो। भारत के सामने सबसे महत्वपूर्ण चुनौती किसी एक कंपनी को विजेता घोषित करना नहीं बल्कि ऐसा सैटेलाइट संचार तंत्र विकसित करना है, जो राष्ट्रीय हितों और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुकूल हो। इसके लिए पांच प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। पहली- नियामक प्रक्रिया में पारदर्शिता। सभी पात्र कंपनियों के लिए सुरक्षा, स्पेक्ट्रम, डेटा संरक्षण और परिचालन संबंधी आवश्यकताएं स्पष्ट होनी चाहिए। नियमों का पालन करने वाली कंपनियों को समयबद्ध निर्णय मिलना चाहिए, जबकि आवश्यक सुरक्षा जांच से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

दूसरी, घरेलू तकनीकी क्षमता। उपग्रह निर्माण, संचार उपकरण, ग्राउंड स्टेशन, सॉफ्टवेयर, नेटवर्क प्रबंधन और संबंधित अनुसंधान में भारतीय उद्योग की भागीदारी बढ़नी चाहिए। केवल सेवा खरीदने के बजाय तकनीक विकसित करने की क्षमता भी महत्वपूर्ण है। तीसरी, सामरिक नियंत्रण और सुरक्षा। संवेदनशील संचार के लिए नियंत्रण व्यवस्था, साइबर सुरक्षा, डेटा प्रबंधन, संकट के समय सेवा की निरंतरता और नेटवर्क की जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। चौथी, दूरदराज के नागरिकों तक पहुंच। सैटेलाइट इंटरनेट का मूल्यांकन कंपनियों की घोषित क्षमता से ही नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि वह वास्तव में किन क्षेत्रों तक पहुंचता है, उसकी लागत क्या है और सामान्य नागरिक उसे वहन कर सकते हैं या नहीं। पांचवीं, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता हित। भारतीय कंपनियों को आगे बढ़ाने का अर्थ प्रतिस्पर्धा समाप्त करना नहीं होना चाहिए। घरेलू और विदेशी कंपनियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा मिल सकती है, बशर्ते नियम निष्पक्ष और राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हों।

आज अंतरिक्ष वैज्ञानिक खोज का क्षेत्र भर नहीं है। यह संचार, मौसम, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि, परिवहन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी आधारभूत संरचना का हिस्सा बन चुका है। जिस देश के पास इस क्षेत्र में तकनीकी क्षमता, कुशल मानव संसाधन, मजबूत औद्योगिक आधार और स्वतंत्र निर्णय लेने की व्यवस्था होगी, वह भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में अधिक विकल्पों के साथ आगे बढ़ सकेगा। इसमें नियंत्रण भारत का होना आवश्यक है। बाहरी हस्तक्षेप संकटों को निमंत्रण देगा। भारत के लिए जियो की प्रस्तावित सैटेलाइट योजना इसी व्यापक संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यदि यह योजना सफल होती है तो यह घरेलू निजी क्षेत्र की क्षमता का विस्तार कर सकती है। यदि स्टारलिंक और अन्य प्रदाता आवश्यक अनुमतियों के साथ सेवाएं शुरू करते हैं तो वे भी भारत की कनेक्टिविटी संबंधी जरूरतों को पूरा करने में योगदान दे सकते हैं। इन दोनों संभावनाओं में कोई अनिवार्य विरोधाभास नहीं है। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी व्यवस्था बना सकता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग का लाभ मिले, घरेलू क्षमता विकसित हो, उपभोक्ताओं के विकल्प बढ़े और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी शर्तों पर भारत का नियंत्रण बना रहे।

यही वह संतुलन है, जो भारत की दीर्घकालीन रणनीति का आधार होना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के लिए भारत के द्वार खुले रहें, पर भारत की नीतियां भारत के संविधान, कानून और राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही निर्धारित हों। यही एक आत्मविश्वासी, तकनीकी रूप से सक्षम और संप्रभु राष्ट्र की पहचान है। भारत के आसमान का भविष्य बाजार की ताकत से ही नहीं बल्कि भारतीय प्रतिभा, तकनीकी क्षमता और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से भी तय होगा, भले फिर एलन मस्क अपनी कितनी भी खीझ दिखाते रहें।

न्यूज ब्रीफ

गणतंत्र दिवस परेड के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों का चयन 21 को

ग्वालियर। नई दिल्ली में 26 जनवरी 2027 को कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने का सपना संजोए राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों के लिए चयन प्रक्रिया आरंभ होने जा रही है। इस सिलसिले में जिला स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड चयन शिविर का आयोजन आगामी 21 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से स्थानीय माधव महाविद्यालय, नई सड़क के प्रांगण में किया जाएगा। जिला स्तर पर 60 स्वयंसेवक दिखाएंगे प्रतिभा इस महत्वपूर्ण चयन शिविर में ग्वालियर जिले के अंतर्गत आने वाली विभिन्न सक्रिय एनएसएस इकाइयों के लगभग 60 प्रतिभाशाली स्वयंसेवक अपनी दक्षता, कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एनएसएस ग्वालियर के जिला संगठक डॉ. मनोज अवस्थी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तर पर चुने जाने वाले स्वयंसेवकों को इसके बाद संभाग स्तरीय चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।

26वां सामूहिक मुंडन संस्कार समारोह समारोह का आयोजन 20 अक्टूबर को

ग्वालियर। पूज्य सिंध हिन्दू जनरल पंचायत के अंतर्गत कार्यरत सिंधु सामाजिक पंगती सुधार कमेटी द्वारा आगामी 20 अक्टूबर को 26वें सामूहिक मुंडन संस्कार समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक एवं सामाजिक अनुष्ठान दानाओली स्थित झूलेलाल परमार्थ ट्रस्ट भवन में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक संपन्न होगा, जिसमें समाज के नन्हें बच्चों का सामूहिक रूप से मुंडन संस्कार कराया जाएगा।इस विशेष अवसर पर बच्चों के मुंडन संस्कार की रस्म पूरी तरह से पारंपरिक और धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न कराई जाएगी। इस दौरान आयोजन स्थल पर गूंजने वाले पारंपरिक बैंड-बाजे, ढोल और शहनाई की मधुर स्वरलहरियां इस अनुष्ठान को और भी अधिक मंगलमय और भव्य बनाएंगी। बच्चों के परिवारों और सगे-सम्बन्धियों के लिए यह एक अत्यंत हर्षोल्लास और उत्सव का पल होगा।

जीविवि का दीक्षांत समारोह 16 नवंबर को आयोजित किया जाएगा

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय का आगामी वार्षिक दीक्षांत समारोह 16 नवंबर को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। इस गरिमामयी समारोह में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की विभिन्न परीक्षाओं में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण रहने वाले स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. के विद्यार्थियों को विधिवत उपाधियों से अलंकृत किया जाएगा।विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस समारोह में शामिल होने के इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी 31 अक्टूबर तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए लिंक के माध्यम से अपना ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। निर्धारित शुल्क के तहत स्नातकोत्तर उपाधि धारकों के लिए पंजीकरण शुल्क 500 रुपये तथा पी.एच.डी. उपाधि धारकों के लिए 1,000 रुपये (जिसमें 500 रुपये पंजीयन शुल्क और 500 रुपये उपाधि शुल्क शामिल है) तय किया गया है। इस शुल्क का भुगतान 31 अक्टूबर तक एमपी ऑनलाइन के जरिए किया जा सकता है। दीक्षांत समारोह के सफल और सुचारू आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई। बैठक के दौरान समारोह की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी व्यवस्थाओं के कुशल संचालन के लिए अलग-अलग समितियों के गठन के निर्देश दिए गए।

कुल्हाड़ी से सूदखोर की हत्या, सिर-गर्दन पर किए वार

ग्वालियर। ब्याज पर रुपए देने वाले एक सूदखोर की मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसे फोन कर घर से करीब 250 मीटर दूर खेत में बुलाया. सिर व गर्दन पर आरोपियों ने कुल्हाड़ी से पांच-छह वार किए। बुधवार सुबह खेत में खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।मृतक की पहचान छोटी मुरैना निवासी पुरुषोत्तम सिंह गुर्जर (35) के रूप में हुई है। वह ब्याज पर रुपए उधार देने का काम करता था। परिजनों के मुताबिक, रात करीब 12 बजे उसे फोन आया था. जिसके बाद वह खेत की ओर चला गया। सुबह चार बजे तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। सुबह करीब आठ बजे ग्रामीणों ने खेत में उसका शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी।

21वाँ आई.टी.एम. उदभव उत्सव 24 से 27 अक्टूबर तक

एक बार फिर ग्वालियर में सजेगा कला और संस्कृति का अंतर्राष्ट्रीय महाकुंभ

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



संगीत और सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्व में विशिष्ट पहचान रखने वाले ग्वालियर में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय कला और संस्कृति का भव्य संगम होने जा रहा है। उदभव सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान और आई.टी.एम. विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 21वाँ आई.टी.एम. ''उदभव उत्सव'' अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक ओलंपियाड 2026 का आयोजन 24 से 27 अक्टूबर तक किया जाएगा। चार दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के कलाकार नृत्य, वाद्य संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही मॉडल यूनाइटेड नेशन ; रूह समिट युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करेगी। आयोजन में ऑपरेशन सिंदूर के प्रमुख स्तंभ, भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एवं मैरीटाइम फाउंडेशन के चेयरमैन एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी (क्क्ष्ुस्रू्ड्डस्रूहरू) भारत में मंगोलिया के राजदूत उलजीत लवसेनजाव तथा सुप्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री नलिनी-कमलिनी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करेंगें। गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में आई.टी.एम. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) योगेश उपाध्याय और उदभव के सचिव दीपक तोमर ने बताया कि 'उदभव उत्सव' केवल एक सांस्कृतिक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विभिन्न देशों और भारतीय राज्यों की कला, परंपराओं तथा युवा प्रतिभाओं को जोड़ने वाला मंच है। इसका उद्देश्य ग्वालियर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना और युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना तथा भारतीय युवा कलाकारों को वैश्विक मंच प्रदान करना है। इस वर्ष स्लोवाकिया और रूस सहित भारत के तमिलनाडु, तेलंगाना, असम, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य, संगीत और कलात्मक अभिव्यक्तियाँ इस आयोजन को विविध संस्कृतियों के उत्सव का स्वरूप देंगी। आई.टी.एम. विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ.ओमवीर सिंह और उदभव के उपाध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह कुशवाह ने बताया कि 24 अक्टूबर को अपरान्ह 3 बजे भव्य कार्निवाल के साथ उत्सव का शुभारंभ होगा। कार्निवाल थीम रोड से होते हुए जीवाजी क्लब पहुँचेगा।

दो साल से संपर्क में नहीं था युवक, प्रेमिका पर हमला करने का आरोप



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर के कंपू थाना क्षेत्र की ललितपुर कॉलोनी में पूर्व प्रेमिका ने अपने प्रेमी पर कैंची से हमला कर दिया। घायल युवक धर्मेंद्र प्रजापति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक का आरोप है कि दो साल पहले दोनों के बीच प्रेम संबंध थे, लेकिन पिछले दो साल से उनका संपर्क नहीं था। इसके बावजूद युवती उससे मिलने उसके किराए के कमरे पर पहुंच गई और विवाद के बाद कैंची से हमला कर दिया। पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धर्मेंद्र प्रजापति ने बताया कि वह मुरैना जिले के अंबा का रहने वाला है और ललितपुर कॉलोनी में किराए के कमरे में रहता है।

उसके मुताबिक, घटना वाली रात वह अपने कमरे में बैठा था। तभी उसकी पूर्व प्रेमिका प्रीति प्रजापति ने फोन कर मिलने की बात कही। धर्मेंद्र ने मिलने से मना कर दिया, लेकिन वह उसके कमरे पर पहुंच गई।धर्मेंद्र के अनुसार, प्रीति करीब एक घंटे तक उसके कमरे में रुकी। उसने वहां रखे शिव भी खाए। इसके बाद उसने बैग से कैंची निकाली और उस पर हमला कर दिया।

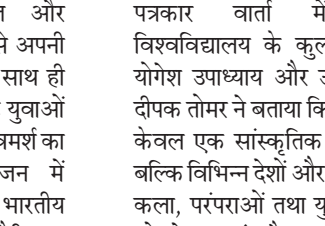
धर्मेंद्र ने आरोप लगाया कि प्रीति उसे ब्लैकमेल भी कर रही थी। धर्मेंद्र का कहना है कि हमले के बाद प्रीति कमरे में ही मौजूद थी। उसने मकान मालिक को आवाज देकर बुलाया और बचाने की गुहार लगाई। आवाज सुनकर मकान मालिक मौके पर पहुंचा और उसे बचाया। धर्मेंद्र ने आरोप लगाया कि प्रीति ने उससे कहा था कि उसके साथ रह रहे प्रेमी सोनू यादव ने उसे मारकर आने के लिए कहा था। यह आरोप फिलहाल युवक के बयान पर आधारित है। कंपू थाना सर्किल के सीएसपी रोबिन जैन ने बताया कि फोन पर सूचना मिली थी कि विवाद के बाद एक युवती ने युवक पर हमला कर दिया है।

गर्भस्थ महिला के अपहरण से चर्चा में आया था गिरोह

चंबल में फिर गूंजी डकैतों की आहट, डकैत कल्ली गुर्जर ने इंस्टाग्राम पर लाइव फायरिंग कर पुलिस को दी चुनौती

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर-चंबल अंचल में एक बार फिर कुख्यात डकैतों की आहट से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। ग्वालियर और मुरैना पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुका इनामी डकैत कल्ली गुर्जर अब सोशल मीडिया के जरिए कानून व्यवस्था को खुली चुनौती दे रहा है। ताजा मामला तब सामने आया जब इस डकैत ने इंस्टाग्राम पर हथियार लहराते हुए और ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए अपना एक लाइव वीडियो अपलोड कर दिया।



इसके बाद से स्थानीय पुलिस जंगलों में उसकी धरपकड़ के लिए लगातार कांबिंग कर रही है, हालांकि अभी तक उसकी सटीक लोकेशन का सुराग नहीं मिल पाया है। डकैत कल्ली गुर्जर पिछले करीब एक साल से पुलिस की नींद उड़ाए हुए है। हालांकि पिछले कुछ समय से वह फरार था और उसने कोई बड़ी वारदात नहीं की थी, लेकिन इससे पहले उसने अपने साथी डकैत योगी गुर्जर के साथ मिलकर पिछले साल आठ अक्टूबर को ग्वालियर के तिघरा स्थित गुर्जा गांव में जमकर गोलियां बरसाई थीं। इस दौरान यह गैंग नौ माह की गर्भवती अंजू गुर्जर का अपहरण कर ले गई थी, जिसे बाद में लंका पहाड़ के पास छोड़कर बदमाश फरार हो गए थे। इस सनसनीखेज घटना के बाद डकैत योगी गुर्जर ने तो धौलपुर में आत्मसमर्पण कर दिया था, लेकिन कल्ली गुर्जर तभी से कानून की पकड़ से बाहर चल रहा है। तिघरा कांड के बाद उसने घाटीगांव क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर एक ट्रक चालक से जबरन 'टैरर टैक्स' वसूलने की कोशिश की और विरोध करने पर फायरिंग भी की थी। इसके बाद उसने मुरैना जिले में भी पुलिस मुखबिरी के शक में एक स्थानीय व्यक्ति पर हमला कर गोलीबारी की, लेकिन पुलिस हर बार उसे पकड़ने में नाकाम साबित हुई। पुलिस की तमाम घेराबंदी और दबिश के बावजूद कल्ली गुर्जर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लगातार सक्रिय बना हुआ है। वह न केवल धड़ल्ले से अपनी रील्स अपलोड कर रहा है।

धान कटाई शुरू होते ही पराली जलाने में मप्र आगे

पराली जलाने में मध्यप्रदेश सबसे आगे, नियम तोड़ने वाले किसानों पर जुर्माना

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

प्रदेश में धान की कटाई का कार्य शुरू होते ही किसानों द्वारा खेतों में अवशेष यानी पराली जलाने की घटनाएं तेजी से सामने आने लगी हैं। धान कटाई के शुरुआती दौर में ही मध्य प्रदेश के देश भर में पहले स्थान पर पहुंच जाने के कारण कृषि विशेषज्ञों और प्रशासन की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं।भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत कार्यरत कंसोर्टियम फॉर रिसर्च एग्रोइकोसिस्टम मॉनिटरिंग सैटेलाइट के माध्यम से अंतरिक्ष से पराली जलाने की गतिविधियों पर लगातार पैनी नजर रखी जाती है। इस तकनीकी निगरानी के आंकड़ों के अनुसार, चालू सीजन में गत 15 सितंबर से 13 अक्टूबर के बीच प्रदेश भर में कुल 340 स्थानों पर पराली जलाने के मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इसकी तुलना में पिछले साल इसी समान अवधि में राज्य में केवल 55 घटनाएं ही सामने आई थीं, जो इस बार इस प्रवृत्ति में हुई भारी वृद्धि को दर्शाता है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस अवैध गतिविधि में प्रदेश का गुना जिला सबसे आगे चल रहा है, जहां अकेले 45 जगहों पर पराली जलाई जाने की घटनाएं रिकॉर्ड की गई हैं। इस चिंताजनक स्थिति के साथ गुना वर्तमान में पराली जलाने के मामलों में पूरे देश में तीसरे नंबर का जिला बन गया है। खेतों में अवशेष जलाने की इन बढ़ती घटनाओं से जहां एक तरफ पर्यावरण और वायु गुणवत्ता पर विपरीत असर पड़ रहा है, वहीं कृषि भूमि की उपजाऊ क्षमता को लेकर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।



सरकार के फैसले पर हाईकोर्ट की मुहर, परिवहन प्राधिकरण अध्यक्ष की नियुक्ति से रोक हटी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने राज्य परिवहन प्राधिकरण के गठन को कानूनी रूप से सही ठहराते हुए इससे संबंधित याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार द्वारा 10 अगस्त 2026 को जारी की गई अधिसूचना मोटरयान अधिनियम के सभी वैधानिक प्रावधानों के पूरी तरह अनुरूप है। इसके साथ ही अदालत ने प्राधिकरण के गठन को चुनौती देने वाली याचिका में उठाई गई सभी आपत्तियों को खारिज कर दिया है।

याचिकाकर्ताओं की प्रमुख आपत्तियां और तर्क इस मामले में हरिशंकर सिंह पटेल एवं अन्य की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, जिसमें राज्य सरकार की 9 फरवरी 2026 और उसके बाद 10 अगस्त 2026 को जारी अधिसूचनाओं को कानूनी चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का मुख्य तर्क था कि मोटरयान अधिनियम की धारा 68 के तहत राज्य परिवहन प्राधिकरण का गठन निर्धारित कानूनी प्रावधानों और नियमों के अनुसार ही होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने यह मांग भी उठाई थी कि चूंकि परिवहन आयुक्त का मुख्य कार्यालय ग्वालियर में स्थित है, इसलिए राज्य परिवहन प्राधिकरण का मुख्यालय भी ग्वालियर से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। न्यायालय द्वारा इन तर्कों और आपत्तियों को खारिज किए जाने के बाद अब सरकार की अधिसूचना पर मुहर लग गई है।

चंबल के प्रसिद्ध शनि मंदिर की बदलेगी सूरत, पर्यटन विकास निगम ने 28.43 करोड़ का टेंडर किया जारी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

चंबल अंचल के मुरैना जिले में स्थित प्रसिद्ध और ऐतिहासिक शनिचरा मंदिर को अब एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा और क्षेत्र के विकास के लिए मध्य प्रदेश शासन द्वारा मंदिर के सुंदरीकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण कार्यों पर कुल 28.43 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने इस संबंध में मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, स्थल विकास तथा आंतरिक और बाहरी विद्युतीकरण के कार्यों के लिए आधिकारिक टेंडर जारी कर दिए हैं, और इन सभी विकास कार्यों को आगामी 18 महीने की समयावधि में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।मंदिर के पूर्ण कायाकल्प के लिए पर्यटन विकास निगम द्वारा एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिससे कि दर्शनार्थियों और श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के बीच पूरी सुरक्षा के साथ विकास कार्य संचालित किए जा सकें। निगम के कार्यपालन यंत्री अनिल कुमार पाटीदार ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रोजेक्ट के तहत मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास के मार्गों में व्यापक बदलाव किया जाएगा।



इसके अलावा वाहनों के आवागमन को सुव्यवस्थित करने के लिए आधुनिक और अलग पार्किंग जोन विकसित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर के भीतर ही एक आधुनिक भोजनशाला का निर्माण किया जाएगा, जहाँ आगंतुकों को भोजन की सुविधा मिल सकेगी। इसके साथ ही परिसर के नजदीक ही एक विशाल सत्संग हॉल भी तैयार किया जाएगा, जिसमें धार्मिक आयोजनों, प्रवचनों और भजन-कीर्तन की विशेष व्यवस्था उपलब्ध होगी। इन तमाम विकास कार्यों से शनिचरा मंदिर आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों और भक्तों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी।

विंध्याचल फार्मर ने राष्ट्रीय महिला किसान दिवस मनाया

कृषि भूमि की उत्पादकता को लंबे समय तक बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं विंध्यांचल फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम उदयपुर, मुरार, ग्वालियर स्थित एफपीओ केंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में *डॉ. उमेद सिंह, संयुक्त संचालक, कृषि, ग्वालियर; श्री के. पी. एस. जादौन, अतिरिक्त संचालक; डॉ. रीता मिश्रा, कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वालियर तथा श्री देवेंद्र सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, विंध्यांचल फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान डॉ. उमेद सिंह, संयुक्त संचालक, कृषि, ग्वालियर ने महिला किसानों को प्राकृतिक खेती पर तकनीकी व्याख्यान दिया। उन्होंने प्राकृतिक खेती की उपयोगिता, रासायनिक कृषि आदानों पर निर्भरता कम करने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिला किसानों को प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं, श्री के. पी. एस. जादौन, अतिरिक्त संचालक ने मृदा संरक्षण एवं मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के विषय पर जानकारी दी। उन्होंने मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा कृषि भूमि की उत्पादकता को लंबे समय तक बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र की डॉ. रीता मिश्रा की सहभागिता से महिला किसानों के कृषि संबंधी ज्ञान, वैज्ञानिक कृषि तकनीकों तथा कौशल विकास को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, विपणन तथा किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसरों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर विंध्यांचल फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के ष्टश्वह्र श्री देवेंद्र सिंह ने कहा कि महिला किसान कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। उत्पादों के मूल्य संवर्धन और बेहतर बाजार संपर्क के माध्यम से महिला किसानों की आय एवं आजीविका को सुदृढ़ किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अमित पंघाल
बड़े भाई ने बॉक्सर बनाने के लिए किए त्याग

नई दिल्ली । अमित पंघाल की गिनती भारत के सबसे बेहतरीन मुक्केबाजों में की जाती है। अमित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देश के लिए सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले बॉक्सर बने। इसके साथ ही उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भी 'गोल्डन पंच' लगाया। अमित का जन्म 16 अक्टूबर 1995 को हरियाणा के रोहतक जिले के मायना गांव में हुआ। अमित को घर में ही शुरुआत से बॉक्सिंग का माहौल मिला। अमित के बड़े भाई अजय खुद बॉक्सर थे और वह निरंतर ट्रेनिंग किया करते थे। अमित को



बॉक्सिंग से परिचित और इस खेल में करियर बनाने के लिए मोटिवेट करने वाले भी उनके बड़े भाई ही थे। आर्थिक तंगी के चलते किसान पिता अमित या अजय में से किसी एक को ही बॉक्सिंग की ट्रेनिंग कराने में समर्थ थे। ऐसे में बड़े भाई ने अपने करियर का त्याग करते हुए अमित को ट्रेनिंग के लिए आगे भेजा।

अमित को आर्थिक तौर पर किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े, इसलिए अजय ने भारतीय सेना जॉइन कर ली। अमित ने भी रिंग में जी-तोड़ मेहनत की और अपने भाई के भरोसे पर एकदम खरे उतरे। अमित अपनी सफलता का श्रेय बड़े भाई को ही देते हैं। अमित पंघाल साल 2017 में सबसे पहले सुर्खियों में आए, जब उन्होंने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता।

रिशाद हुसैन और एडम जम्पा होबार्ट हरिकेंस की स्पिन गेंदबाजी को मजबूत करेंगे

नई दिल्ली । होबार्ट हरिकेंस ने बिग बैश लीग 16 के लिए बांग्लादेश के लेग-स्पिनर रिशाद हुसैन को टीम के साथ बरकरार रखते हुए अपनी स्पिन गेंदबाजी को मजबूत किया है। टीम उन्हें ऑस्ट्रेलियाई एडम जम्पा के साथ इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। हुसैन को दोबारा साइन करने से मौजूदा टीम को नए सीजन में एक मजबूत स्पिन कॉम्बिनेशन मिल गया है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने बिग बैश लीग के अपने पहले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। होबार्ट के



लिए, जम्पा को शामिल करने के बावजूद हुसैन को वापस लाना एक प्राथमिकता थी। हरिकेन्स के जनरल मैनेजर-हाई परफॉर्मेंस सैलियन बीम्स ने कहा कि फ्रेंचाइजी में लौटने के लिए स्पिनर के उत्साह ने एग्रीमेंट को आसान बनाया। उन्होंने कहा, 'रिशाद ने हमें यह बिल्कुल साफ कर दिया था कि उन्हें पिछले सीजन में होबार्ट में बिताया गया समय बहुत पसंद आया और वे वापस आना चाहते थे। यह निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत मायने रखता था। एडम जम्पा के शामिल होने से हमारी लिस्ट थोड़ी अलग हो गई थी, लेकिन जब रिशाद जैसी क्वालिटी का खिलाड़ी हरिकेन्स में लौटने के लिए इतना पक्का इरादा रखता है, तो हम ऐसा करने के हर मौके का फायदा उठाना चाहते थे।'

विश्वजीत मोरे ने अंडर-23 रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप

जीता 'ऐतिहासिक' सिल्वर मेडल



लास वेगास । भारतीय पहलवान विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने गुरुवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी में भारत के लिए पहला सिल्वर मेडल जीता। अंडर-23 वर्ल्ड लेवल पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके मोरे पुरुषों के 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन फाइनल के आखिरी पलों में जॉर्जिया के कोबा कारुमिद्जे से 12-13 से हार गए। मोरे अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने वाले भारत के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान हैं। वह मंगलवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको-रोमन पहलवान भी बने थे। उन्होंने तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10-8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ। शमसीपौर के कंधे में चोट लग गई थी, और मोरे ने एक 'फोर-पॉइंटर थ्रो' (चार अंक दिलाने वाला दांव) का इस्तेमाल करते हुए उन्हें 8-1 से हरा दिया। रूस के मलिक गिगिएव के खिलाफ सेमीफाइनल भी काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों पहलवानों को 'चैलेंज' (रेफरी के फैसले को चुनौती देने का मौका) का फायदा मिला। अंत में मोरे ने 6-4 से जीत दर्ज की। मोरे फाइनल में इस लक्ष्य के साथ उतरे थे कि वह अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप की ग्रीको-रोमन स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बनेंगे। हालांकि, वह फाइनल में जॉर्जिया के पहलवान से हार गए और उनका गोल्ड जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। जॉर्जियाई पहलवान ने भी फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में किर्गिस्तान के बार्सबेक असनकोझोएव को कड़े मुकाबले में हराया था। हालांकि, इससे पहले भारत के अभियान को एक प्रशासनिक बाधा का सामना करना पड़ा था। अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप (लास वेगास) के लिए भारत के नौ पहलवानों (ग्रीको-रोमन और महिला कुश्ती कैटेगरी से) को वीजा नहीं मिला, क्योंकि वे 20 साल से कम उम्र के थे और उनके पास कोई फुल-टाइम नौकरी नहीं थी।

डब्ल्यूएफआई प्रमुख संजय सिंह ने बुधवार को आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा था, 'अमेरिकी दूतावास ने नौ भारतीय पहलवानों के वीजा इस आधार पर खारिज कर दिए कि वे बेरोजगार हैं।

पीएसजी से मिली हार से सबक लेगी मैनचेस्टर सिटी: एंजो मारेस्का

मैनचेस्टर । एंजो मारेस्का का कहना है कि यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से मिली 4-2 की हार से मैनचेस्टर सिटी सबक लेगी। मैनचेस्टर सिटी को आठ मैचों में पीएसजी के खिलाफ यह पहली हार मिली है। मैनचेस्टर सिटी ने मारेस्का के हवाले से कहा, 'हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। भले ही हम यूरोप की सबसे अच्छी टीम के खिलाफ दो गोल खा लें, हमें सही चीजें करने की जरूरत है। मैं खिलाड़ियों से सीखता रहता हूं, क्योंकि मैं तीन महीने पहले ही यहां आया हूं। हम पहला गोल खा लेते हैं और फिर एक मिनट बाद इस तरह की टीम के खिलाफ दूसरा गोल खा लेते हैं। जब आप 0-0 पर हों, तो यह पहले से ही मुश्किल होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'दो मिनट में आप दो गोल खा लेते हैं और हमने थोड़ा संतुलन खो दिया, खिलाड़ियों के बीच दूरी रही। हमने संघर्ष किया, लेकिन फिर दूसरे हाफ में हमने बदलाव किए, कुछ एडजस्ट किया और हम बहुत बेहतर थे। सच कहूं तो मुझे पीएसजी के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। दूसरे 45 मिनट में शानदार कोशिश के बावजूद, पहले 45 मिनट में हुए नुकसान ने विजिटर्स को पॉइंट दिलाए।'



मारेस्का ने कहा, 'वे बहादुर हैं, मुझे पता है कि वे कैसे दबाव बनाना चाहते हैं। बॉल पर वे डायनेमिक हैं। मुझे उनके खिलाफ खेलना पसंद है। हम वहां हैं। मुझे लगता है कि हम करीब हैं। पहले हाफ में, हमने संघर्ष किया, क्योंकि हमने दो गोल खाए। लुइस एनरिक ने आखिर में मुझसे कहा कि वे काफी लकी रहे।

जीतने वाली टीम का हिस्सा न होकर निराश हूं: संजू सैमसन

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम को बुधवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए चौथे टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 248 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 223 रन ही बना सकी और 24 रन से मैच हार गई। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन का कहना है कि तिलक वर्मा का आउट होना भारत की हार का टर्निंग पॉइंट था। मैच के बाद सैमसन ने कहा, 'मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब तिलक आउट हुए। हम आसानी से जीत की तरफ बढ़ रहे थे। हर ओवर में 10-12 रन बहुत अच्छे से आ रहे थे। रेड्डी और तिलक दबाव वाली स्थिति में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उस समय तक हम मैच



में थे। पांच विकेट गंवाने के बाद इस तरह का नियंत्रण होना—दो युवा क्रिकेटरों का इस तरह दबाव में खेलना, सच में बहुत अच्छी बात है। ' 248 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने 12वें ओवर में 130 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन तिलक और नीतीश रेड्डी की जोड़ी मैच को करीब लेकर गई। तिलक के आउट होने के समय भारत को 19 गेंदों पर 48 रन की जरूरत थी।

सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 23 गेंदों पर 56 रन बनाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई थी।

उन्होंने कहा, 'जब आप हारने वाली टीम में होते हैं तो आप जो भी करते हैं, वह बहुत अलग लगता है, इसलिए मैं इस समय थोड़ा निराश हूं। मैं निश्चित रूप से जीतने वाली टीम में होना चाहता था। मुझे वहां बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आया। जब आप इस तरह के स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो कोई दूसरी बात नहीं होती—आपको बस अपनी सूझबूझ, अपने पावर गेम पर भरोसा करना होता है और मैंने वही किया। मैंने सच में उस पारी का मजा लिया, लेकिन मैं जीतने वाली टीम में होना पसंद करता। '

क्या इंडिया को गेंद से जसप्रीत बुमराह की कमी खल रही थी? इस सवाल के जवाब में सैमसन ने कहा, 'जसप्रीत बुमराह का कोई रिप्लेसमेंट नहीं है। वह एक पीढ़ी में एक बार आने वाले गेंदबाज हैं। हम बहुत लकी हैं कि वह हमारे पास हैं। हमारे पास कुछ बहुत अच्छे टैलेंट भी आए हैं। अर्शदीप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। प्रिंस यादव ने पिछले कुछ मैचों में जिस तरह से बॉलिंग की है, वह बहुत प्रभावी है।

वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराया

सीरीज 2-2 से बराबर; कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों के भटके लाइन-लेंथ को ठहराया हार की वजह

हैदराबाद । वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत को 24 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही मेजबान कैरेबियाई टीम ने सीरीज में 2-2 की रोमांचक बराबरी हासिल कर ली है। अब सीरीज का निर्णायक और पांचवां मुकाबला 17 अक्टूबर को



बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। शाई होप का विस्फोटक शतक, विंडीज ने खड़ा किया 247 रनों का पहाड़ टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 247 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

कप्तान श्रेयस अय्यर का बयान

'गेंदबाजों ने योजनाओं पर अमल नहीं किया'

मैच के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों के लचर प्रदर्शन पर खुलकर निराशा जाहिर की। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम गेंदबाजी में अपनी तय रणनीतियों को धरातल पर उतारने में पूरी तरह नाकाम रही। श्रेयस अय्यर ने कहा-गेंदबाजी में चूक: 'हम गेंदबाजी में अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं कर सके। गेंदबाज सही लाइन और लेंथ बनाए रखने में नाकाम रहे, जिससे विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिला और मैच हमारे हाथ से निकल गया।' बल्लेबाजों का जुझारूपन: '248 रन के भारी दबाव वाले चेज में बल्लेबाजों ने बेहतरीन जज्बा दिखाया और मैच को अंत तक खींचने की कोशिश की, जिसकी मैं सराहना करता हूं।' वेस्टइंडीज की रणनीति की तारीफ: 'वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अपनी फील्डिंग का बहुत समझदारी से इस्तेमाल किया।

अभिषेक नायर ने शाई होप की मैथ्यू हेडन से की तुलना

नई दिल्ली । भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने टीम इंडिया के खिलाफ शाई होप के शानदार प्रदर्शन की तुलना 2000 के दशक में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैथ्यू हेडन के प्रभाव से की है। उन्होंने होप की तारीफ करते हुए कहा कि वे मौजूदा दौरे पर वेस्टइंडीज की ओर से तीनों फॉर्मेट में बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं, जिसमें उन्होंने कंट्रोल, पावर और परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढालने की शानदार क्षमता दिखाई है। तेज गति और बेहतरीन स्पिन का सामना करने के बावजूद, होप ने भारत के खिलाफ खूब रन बनाए हैं। उनकी खासियत यह है कि वह सिर्फ पावर-हिटिंग या सिर्फ टच-प्ले पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि जरूरत के हिसाब से अपना खेल बदल लेते हैं, जिससे उन्हें रोकना किसी भी गेंदबाज के लिए मुश्किल हो जाता है।



चैंपियंस लीग: रियल मैड्रिड ने आखिरी 8 मिनट में पलटा मैच

एएस रोमा को 4-3 से हराया

रोम । जोस मोरिन्हो की रियल मैड्रिड ने एएस रोमा के खिलाफ आखिरी 7 मिनट में तीन गोल करते हुए 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मुकाबला 4-3 से जीता। 83वें मिनट तक मोरिन्हो की टीम 3-1 से पीछे थी, लेकिन एस्पी, एंड्रिक और रुडिगर ने सिर्फ 8 मिनट में मैच पलट दिया और यूरोप में अपनी दूसरी जीत पक्की कर ली। मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई। चौथे मिनट में ही कोर्टोइस को हमोंसो का शॉट रोकने के लिए शानदार सेव करना पड़ा। 16वें मिनट में रोमा ने बढ़त ले ली, जब डी रून का शॉट उनके ही साथी मालेन से टकराकर दिशा बदलते हुए गोल में चला गया। हालांकि, रोमा की बढ़त सिर्फ 5



मिनट ही रही। 25वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने लॉन्ग-रेंज से शॉट मारा, जो मैनसिनी से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गोलिनी को छकाते हुए अंदर चला गया और स्कोर 1-1 हो गया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में दोनों टीमों के पास मौके आए। कुकुरेला छाती से गेंद नियंत्रित कर बॉक्स में घुसे, लेकिन उनका शॉट टारगेट से चूक गया। एक्स्ट्रा टाइम में बेलिंगहैम का लेफ्ट-फुट शॉट भी थोड़ा वाइड चला गया।

मैनचेस्टर सिटी को पीएसजी ने 4-2 से हराया, आठ मैचों में सिटी की पहली हार

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सिटी की पीएसजी के हाथों आठ मैचों में ये पहली हार है। पीएसजी को पहले हाफ में डेजायर डू, ओस्मान डेम्बेले और विटिना ने तीन गोल की बढ़त दिलाई। अर्लिंग हालैंड ने सिटी के लिए रिकॉर्ड तोड़ 37वां यूरोपियन गोल किया। इसके बाद पीएसजी के लिए मैग्नेस अक्लिउचे ने चौथा गोल किया। एंजो मारेस्का की टीम पॉइंट्स के लिए लड़ती रही। एंजो फर्नांडीज और हालैंड ने वुडवर्क पर शॉट मारे, इससे पहले नॉर्वे के खिलाड़ी ने एक और गोल किया।

जियानलुइगी डोनारुम्मा ने फेरान टोरेस की आखिरी पेनल्टी बचाई, लेकिन फ्रेंच चैंपियंस ने 4-2 से जीत हासिल की।

एक अन्य मैच में, फेयेनूर्ड ने भी रॉटरडैम में एक रोमांचक मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की।

सऊदी अरब में हमले के बाद फीफा ने फीफा-ई फाइनल्स को टाल दिया

नई दिल्ली । फीफा और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ने फीफा-ई फाइनल्स 2026 को टाल दिया है। इवेंट 16 से 25 अक्टूबर तक जेद्दा में होने वाला था। यह फैसला हाल ही में रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद लिया गया है। 10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईरान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसे एक दशक से ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। इवेंट के



आयोजक ने एक बयान में कहा, 'यह फैसला इलाके में हाल के डेवलपमेंट और टूर्नामेंट को कराने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक इंतजामों पर उनके असर की जांच के बाद लिया गया है। '

इसमें कहा गया है कि फीफा-ई फाइनल्स के बारे में आगे की घोषणाएं सही समय पर की जाएंगी। बयान में कहा गया, 'फीफा ने सऊदी अरब और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन के फीफा-ई फाइनल्स 2026 की तैयारियों में दिए गए सपोर्ट और सहयोग की तारीफ की, जो सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पिछले एडिशन की सफल मेजबानी के आधार पर किया है। '

शंघाई मास्टर्स: चोट के कारण क्वार्टर फाइनल मैच से हटे आर्थर गेया

फोकिना को मिला सेमीफाइनल का टिकट

शंघाई । शंघाई मास्टर्स में आर्थर गेया का बेहतरीन प्रदर्शन चोट की वजह से अचानक रुक गया। गुरुवार को एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। सेमीफाइनल में फोकिना का मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव और एलेक्स डी मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। फोकिना के खिलाफ मैच शुरू होने के महज 22 मिनट बाद ही गेया को बाहर होना पड़ा। वह दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे थे और उन्होंने फिजियो को बुलाया, जिसके बाद उन्हें तीन मिनट का मेडिकल टाइमआउट मिला। इसके बाद उन्होंने केवल तीन और प्वाइंट खेले और फिर 1-4 से पीछे रहने पर मैच छोड़ने का फैसला किया। फ्रांस के 21 वर्षीय खिलाड़ी गेया ने मंगलवार को दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी जैकब मेन्सिक को 7-6(4), 6-4 से हराकर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले, उन्होंने बेन शेल्टन को हराया था। एटीपी विन/लॉस



इंडेक्स के अनुसार, जुलाई के बाद से गेया ने अपने पिछले 15 टूर-लेवल मैचों में से 13 में जीत हासिल की है।

गेया अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में हिस्सा ले रहे थे और इस समय दुनिया के 56वें ??नंबर के खिलाड़ी हैं, जो उनके करियर की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। 2026 में उनका प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। अगस्त में उन्होंने लॉस काबोस में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था और इसके बाद वह 'लकी लूजर' के तौर पर यूएस ओपन के चौथे राउंड तक पहुंचे थे। वहीं, पुरुष डबल्स में जैकब श्नाइटर और मार्क वालनर की जोड़ी ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। उन्होंने टॉप सीड क्रिश्चियन हैरिसन और नील स्कुपस्की को 7-6(5), 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जनवरी 2024 से एक साथ खेल रहे श्नाइटर और वालनर ने अपने सामने आए सभी चार ब्रेक प्वाइंट बचाए।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय में गरबा महोत्सव में दिखा भक्ति और संस्कृति का संगम

सुनील शुक्रवारे की टीम की प्रस्तुतियों ने जीता दिल, राधा-कृष्ण के स्वरूप बने आकर्षण

एक सत बुलेटिन, सीहोर।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय, सीहोर में माँ भगवती को समर्पित गरबा महोत्सव का भव्य एवं उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। भक्ति, संगीत, संस्कृति और परंपरा के अनूठे संगम ने पूरे विश्वविद्यालय परिसर को उत्सवमय बना दिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों और शिक्षकों ने गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की जीवंत छटा बिखेरी। माँ जगदम्बा की आराधना, गरबा की थाप और भक्तिमय गीतों के बीच विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रोशनी, संगीत और जयकारों से गूंज उठा विश्वविद्यालय परिसर सांझ ढलते ही आकर्षक रोशनी से सजा विश्वविद्यालय परिसर उत्सव की अनुपम छटा बिखेरने लगा। रंगीन लाइटों की जगमगाहट, शानदार साउंड सिस्टम से गूंजती गरबा की धुनों और माँ दुर्गा के जयकारों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा परिसर माँ भगवती की भक्ति में सराबोर हो गया हो। संगीत की हर लय पर कदम थिरकते रहे और हर जयकारे के साथ श्रद्धा एवं उत्साह का संचार होता रहा।

सुनील शुक्रवारे की टीम ने बांधा समां, राधा-कृष्ण के स्वरूपों ने बढ़ाई शोभ भोपाल के सुप्रसिद्ध गायक एवं गरबा संगीतकार सुनील शुक्रवारे की टीम ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों और ऊर्जावान संगीत से कार्यक्रम में चार चांद



लगा दिए। पारंपरिक गरबा गीतों की धुनों पर विद्यार्थी और शिक्षक उत्साहपूर्वक झूमते नजर आए। टीम के साथ आए राधा-कृष्ण के मनमोहक स्वरूपों में सजे कलाकारों ने अपनी आकर्षक वेशभूषा, भावपूर्ण प्रस्तुतियों और मोहक अदाओं से कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ दिया। उनके आगमन से आयोजन में भक्ति के साथ-साथ आनंद और उल्लास का अनूठा रंग देखने को मिला। राधा-कृष्ण की मनोहारी झलक ने उपस्थित लोगों को भारतीय संस्कृति और कृष्णभक्ति की सुंदर परंपरा से जोड़ दिया। विश्वविद्यालय प्रबंधन की उपस्थिति, संस्कृति और संस्कारों को आगे बढ़ाने का संदेश कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की संरक्षिका श्रीमती कुन्ती सिंह गौतम एवं चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने सहभागिता कर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अपने संदेश में भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रोत्साहित करने तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना, पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक सहभागिता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। मातृभक्ति और भारतीय ज्ञान परंपरा से विद्यार्थियों को जोड़ना उद्देश्य कार्यक्रम के समापन पर चेयरमैन डॉ. गौतम ने माँ जगदम्बा की आराधना से जुड़े गीत के माध्यम से भाव व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत विद्यार्थियों को संस्कृति, संस्कार और मातृभक्ति से जोड़ना आवश्यक है। आर्यावर्त विश्वविद्यालय भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कुलसचिव डॉ. अनुज सिंघई ने गायक सुनील शुक्रवारे की टीम, विश्वविद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय परंपराओं, सामूहिक सहभागिता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जेएसी सदस्यों ने लोहपीटा परिवारों के बच्चों को दिए उपहार

मुरैना। *जेएसी सदस्यों ने चंबल कॉलोनी स्थित लोहपीटा परिवारों की बस्ती में पहुंचकर बच्चों को उपहार और जरूरत की सामग्री वितरित की। इससे पहले नवरात्रि के अवसर पर जेएसी मुरैना जागृति द्वारा गरबा-डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों और गरबा की थाप पर महिलाओं ने नृत्य किया। जेएसी अध्यक्ष इति माहेश्वरी ने कहा संस्कृति और परंपराओं को सहेजकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना क्लब का प्रमुख उद्देश्य है।*

नवदुर्गा महोत्सव के चौथे दिन मां कूष्माण्डा की हुई पूजा-अर्चना

मुरैना। *कस्बे में नवदुर्गा महोत्सव के चौथे दिन बुधवार को मां कूष्माण्डा की पूजा-अर्चना की गई। प्राचीन चामुण्डा देवी सेढ़ माता मंदिर में सुबह चार बजे मंगला आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कस्बे के एक दर्जन से अधिक स्थानों पर आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं। चामड़ माता मंदिर में विशेष झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।*

जिले में बिगड़ रही कानून व्यवस्था, बसपा 23 को निकालेगी पैदल मार्च

मुरैना। *जिले में बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) 23 अक्टूबर को पैदल मार्च निकालेगी। मार्च संजय कॉलोनी स्थित भदौरिया रिसॉर्ट से शुरू होकर एसपी कार्यालय तक पहुंचेगा।बसपा नेता रमेश गर्ग ने बुधवार को अग्रवाल सेवा सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा। गर्ग ने बताया कि पहले यह प्रदर्शन 16 अक्टूबर को प्रस्तावित था, लेकिन पुलिस प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण इसे आगे बढ़ाकर 23 अक्टूबर कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में चोरी, लूट और गोलीबारी की घटनाएं बढ़ रही हैं तथा बदमाशों पर पुलिस का नियंत्रण नहीं है।उन्होंने जौरा में 23 सितंबर को पुलिस कस्टडी में सूरज गुप्ता की हत्या का मामला उठाते हुए पुलिस-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। गर्ग ने चेतावनी दी कि कानून व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर पार्टी आंदोलन तेज करेगी। पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष जितेंद्र बौद्ध सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।*

दूरसंचार सलाहकार समिति का सतेंद्र सिंह तोमर को सदस्य बनाया



मुरैना। *भाजपा के वरिष्ठ नेता सतेंद्र सिंह तोमर श्यामू को दूरसंचार सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया है। नियुक्ति को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से उनके नजदीकी संबंधों से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, तोमर लंबे समय से मुरैना में भाजपा के संगठनात्मक कार्यों से जुड़े रहे हैं और क्षेत्र में उनका प्रभाव माना जाता है। नई जिम्मेदारी के तहत वह दूरसंचार क्षेत्र से जुड़े मुद्दों और नीतिगत सुझावों पर भूमिका निभाएंगे। स्थानीय स्तर पर इसे दूरसंचार से जुड़े विकास कार्यों की उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है।*

प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ ने किया विद्यालयों व ग्राम पंचायत का औचक निरीक्षण

बच्चों की कम उपस्थिति व लापरवाही पर वेतन रोकने सहित की बड़ी कार्रवाई

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड एवं प्रभारी कलेक्टर भिण्ड ने गुरुवार को शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालय मुरलीपुरा, शासकीय माध्यमिक विद्यालय ईंगुरी खोट (नरसिंहगढ़) तथा ग्राम पंचायत नरसिंहगढ़, जनपद पंचायत अटेर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिक्षा, मध्यान्ह भोजन, पंचायत प्रशासन और जल योजना से जुड़ी कमियों पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। विद्यालय मुरलीपुरा का निरीक्षण सुबह 11:10 बजे किया गया। निरीक्षण के समय बच्चों की उपस्थिति 296 के मुकाबले मात्र 76 पाई गई। उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश देते हुए जिला परियोजना अधिकारी, जिला शिक्षा केंद्र भिण्ड को कहा गया कि जब तक उपस्थिति में सुधार नहीं होता, सभी शिक्षकों का वेतन आहरण रोका जाए। शाला में रिकॉर्ड संधारण और कक्षाओं की सफाई में कमी पाई गई।

अप्रैल 2026 से अवकाश पर रह रही प्राथमिक शिक्षिका मनीषा कुशवाह की जांच के निर्देश भी दिए गए।इसके बाद दोपहर 12 बजे शासकीय माध्यमिक विद्यालय ईंगुरी खोट का निरीक्षण किया गया, जहां 84 बच्चों के विरुद्ध केवल 10 बच्चे उपस्थित मिले। यहां भी उपस्थिति सुधारने



तक शिक्षकों के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। मध्यान्ह भोजन में मीनू के अनुसार भोजन न दिए जाने की अनियमितता पाए जाने पर जय लोडी माता स्व-सहायता समूह को मध्यान्ह भोजन कार्य से हटाने के निर्देश दिए गए। गलत उपस्थिति दर्ज करने पर शाला प्रमुख को नोटिस जारी किया गया, जबकि बीआरसी, बीईओ और सीएसी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत नरसिंहगढ़ के निरीक्षण में पंचायत का रिकॉर्ड नहीं मिलने, सचिव की अनुपस्थिति, सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज न होने, समग्र ई-केवाईसी, संबल पंजीयन, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं स्वकराधान में प्रगति शून्य रहने की शिकायतें मिलीं। कड़ी कार्रवाई करते हुए सचिव लल्लूराम गुर्जर को निलंबित किया गया। नल-जल योजना के कार्य की गुणवत्ता ठीक न मिलने पर ठेकेदार से समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा संभाग भिण्ड को दिए गए। वीबीजी राम जी योजना में कोई कार्य न मिलने पर संबंधित उपयंत्री/पीसीओ को नोटिस जारी किया गया। सीईओ जिला पंचायत ने स्पष्ट किया है कि जनहित योजनाओं और शिक्षा की गुणवत्ता में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुरैना में नकली खाद फैक्ट्री पर कार्रवाई, 8 मजदूरों को पकड़ा



एक सत बुलेटिन, मुरैना।

जिले में खाद की किल्लत और किसानों की परेशानियों का फायदा उठाकर नकली खाद तैयार करने वाले एक बड़े अवैध कारखाने का भंडाफोड़ हुआ है। एक तरफ जहां किसान एक-एक बोरी खाद के लिए घंटों कतारों में खड़े होने और ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर चंद मिनटों में स्टॉक खत्म होने से परेशान हैं, वहीं कुछ शातिर अपराधियों ने इस संकट को अवैध कमाई का जरिया बना लिया है। पुलिस ने बुधवार शाम मुरैना के जेवराखेरा इलाके में छापेमारी कर नकली डीएपी खाद पैक करने वाले इस प्लांट का पर्दाफाश किया है। स्टेशन रोड थाना प्रभारी दर्शन शुक्ला को मुखबिर से यह गुप्त सूचना मिली थी कि जेवराखेरा रोड पर एक कच्चे मकान या प्लाट के भीतर नकली खाद बनाने का अवैध काम धड़ल्ले से चल रहा है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। जेवराखेरा रोड पर स्थित एक कॉलोनी की प्लॉटिंग के बीच खाली पड़े प्लाट में टीनशेड के नीचे कुछ लोग बोरियों में खाद भरने का काम कर रहे थे। वहां हड़कंप मच गया। पानी में डालते ही मिट्टी की तरह घुल रहा था नकली खाद पुलिस की छानबीन में यह चौंकाने वाला सच सामने आया कि आरोपी सफेद रंग की बोरियों में भरे गए दोयम दर्जे के या पूरी तरह नकली पदार्थ को असली डीएपी के हरे रंग के ब्रांडेड बोरों में पैक कर रहे थे। मौके पर जब इस खाद की प्राथमिक जांच की गई तो पता चला कि यह पानी के संपर्क में आते ही तुरंत मिट्टी की तरह घुल जाता है, जिससे इसकी मिलावटी और नकली होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नकली खाद, पैकिंग सामग्रियां और बोरियां जब्त कर ली हैं। इस अवैध धंधे में संलिप्त पाए गए आठ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह नकली खाद कहां से लाई जाती थी और किन-किन इलाकों में खपाई जा रही थी।

कलेक्टर भिण्ड ने शिक्षिकाओं के विरुद्ध नियमानुसार अनिवार्य सेवा निवृत्ति की कार्यवाही करने दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी भिण्ड ने जनगणना 2027 प्रथम चरण के प्रशिक्षण में अनुपस्थित शास.प्रा.वि. हरगोविन्द का पुरा की प्रा.शि. रूचि भदौरिया तथा शास.प्रा.वि. ज्ञानेन्द्र का पुरा की प्रा.शि. श्रीमती रेखा गुर्जर के विरुद्ध नियमानुसार अनिवार्य सेवा निवृत्ति की कार्यवाही करने जिला शिक्षा अधिकारी भिण्ड को आदेशित किया है। शास.प्रा.वि. हरगोविन्द का पुरा की प्रा.शि. श्रीमती रूचि भदौरिया तथा शास.प्रा.वि. ज्ञानेन्द्र का पुरा की प्रा.शि. श्रीमती रेखा गुर्जर की ड्यूटी चार्ज जनगणना अधिकारियों के आदेश के द्वारा जनगणना कार्य हेतु प्रगणक के रूप में नियुक्त किया गया। जिसका प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में अनुपस्थित होने से चार्ज जनगणना अधिकारियों के द्वारा प्रशिक्षण में उपस्थित होने हेतु सूचित किया गया। जिसके संबंध में कार्यालय कलेक्टर जिला भिण्ड के पत्र से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जिसका प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। दोनों शिक्षिकाओं द्वारा आरोप, आधार पत्र का जवाब समाधानकारक न होने एवं चार्ज जनगणना अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत अभिमत के आधार पर सम्बंधित का उक्त कृत्य एक लोकसेवक के पदीय कर्तव्यों के निर्वहन का भली-भाँति नहीं किए जाने एवं जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही प्रदर्शित की गई है।



मुरैना में ट्रक ने ई-रिक्शा को पीछे से मारी टक्कर:दो की मौत, चालक फरार, पुलिस ने वाहन जब्त किया

एक सत बुलेटिन, मुरैना

मुरैना जिले के बानमौर कस्बे में नेशनल हाईवे-44 पर गुरुवार रात करीब 12:30 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने टमटम को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में टमटम चालक समेत उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भूरा पुत्र रामवरण सिंह श्रीवास (40) निवासी गंगाराम का पुरा और गिर्राज पुत्र रामजीलाल श्रीवास (48) निवासी गंगाराम का पुरा के रूप में हुई है। दोनों सदर बाजार बामौर जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, टमटम में भूरा और गिर्राज सवार थे। दोनों गंगाराम का पुरा से सदर बाजार बामौर जा रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे-44 पर ट्रक क्रमांक क्क्का 4 क्क्ष 3770 ने टमटम को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार



थी कि दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बानमौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। बानमौर थाना प्रभारी टीआई दीपेंद्र यादव ने बताया कि ट्रक ने टमटम को पीछे से टक्कर मारी थी। हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। मामले में वैधानिक कार्रवाई जारी है।

मुरैना के 16 हजार 408 उपभोक्ताओं को, सितंबर माह में 29 लाख 60 हजार की छूट

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिला सोलर ऑवर में 20 प्रतिशत छूट का लाभ

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर/मुरैना

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (ञ्शष्ठ) छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में सितंबर 2026 के दौरान मुरैना के कुल 16 हजार 408 उपभोक्ताओं को 29 लाख 60 हजार रुपए की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (ञ्शष्ठ) योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में बिजली उपयोग करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य, स्ट्रीट लाइट एवं निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि को सोलर ऑवर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उपभोग की गई ऊर्जा पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 20 प्रतिशत तक की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत



लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसरों में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें तथा स्मार्ट मीटर के उपयोग से होने वाले लाभों का अधिक से अधिक फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से सटीक रीडिंग, पारदर्शी बिलिंग एवं ऊर्जा खपत की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव हो रही है। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को बिजली की खपत को ट्रैक करने, ऊर्जा बचत करने तथा मोबाइल एप के माध्यम से कहीं से भी अपनी खपत की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। यह प्रणाली ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक सिद्ध हो रही है। स्मार्ट मीटर के फायदे ऊर्जा की खपत को ट्रैक कर नियंत्रित करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं।ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं। ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है। ऊर्जा की खपत को कम करने से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव कम होता है। जिले के 16 हजार 408 उपभोक्ताओं को सितंबर माह में कुल 29 लाख 60 हजार रुपये की छूट प्रदान की गई। इस राहत से उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ मिला। सितंबर माह के दौरान पात्र उपभोक्ताओं को योजना के तहत छूट का लाभ दिया गया। इस पहल का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत पहुंचाना और उन्हें निर्धारित योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है।

संभागायुक्त शर्मा ने तैयारियों के संबंध में बैठक ली

इज्तिमा इस वर्ष 4 दिसंबर से 7 दिसंबर 2026 तक ईटखेड़ी में आयोजित होगा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



भोपाल में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला इज्तिमा इस वर्ष 04 दिसंबर से 07 दिसंबर 2026 तक ईटखेड़ी में आयोजित किया जाएगा। संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने गुरूवार को संभाग आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में इज्तिमा के दौरान नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं के लिये संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आईजी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान, कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, नगर निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन सहित इज्तिमा समिति के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अपने-अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तथा इज्तिमा स्थल पर आने वाले जमातों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। आईजी श्री चौहान ने निर्देश दिए कि इज्तिमा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। स्थल पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं भीड़ नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था रहे तथा ट्रैफिक पुलिस द्वारा सुचारू यातायात सुनिश्चित किया जाए, ताकि जमातों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हैल्प डेस्क स्थापित किए जाएं, जिससे जमातों को सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं इज्तिमा समिति के बीच सुगम समन्वय और संचार बना रहे। सभी विभागों को स्थल पर जाकर कार्यों की स्थिति का भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन के कार्य की पूर्व एवं पश्चात जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप किए जाएं। साथ ही वालंटियर की सूची तैयार कर उन्हें इज्तिमा स्थल की सभी व्यवस्थाओं की जानकारी दी जाए, ताकि जमातों को समय पर सहयोग प्राप्त हो सके। संभागायुक्त श्री शर्मा ने यह भी कहा कि इज्तिमा के दौरान स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ रहें तथा किसी भी आपात स्थिति में रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रहे। जल गुणवत्ता परीक्षण कराने के निर्देश दिए, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना या अस्वास्थ्यकर स्थिति उत्पन्न न हो। संभागायुक्त श्री शर्मा ने निर्देशित किया कि इज्तिमा स्थल के लिए मिनट-टू-मिनट एक्शन प्लान तैयार किया जाए और सभी विभाग उसी के अनुरूप कार्य करें।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया 16 -18 अक्टूबर तक अशोकनगर क्षेत्र के प्रवास पर

■ एक सत बुलेटिन, **अशोकनगर**



स्थानीय सांसद सह केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 16 से 18 अक्टूबर 2026 तक अशोकनगर के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान सभी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस दौरान वे विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करने के साथ जनसंवाद, सामाजिक कार्यक्रमों और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े आयोजनों में भाग लेंगे। प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया 16 अक्टूबर को लव-कुश मंदिर, में दर्शन करेंगे तथा स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके बाद करीलामाता मंदिर में दर्शन और जनजातीय समाज के कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। मुंगावली में दिशा समिति की बैठक एवं प्रेस ब्रीफिंग के साथ सहराई में हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ वितरित करेंगे। 17 अक्टूबर को चंदेरी में जनसंपर्क एवं स्थानीय बैठक के बाद चंदेरी अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा महोली में लोधी समाज के कार्यक्रम और सेमरखेड़ी, धकोनी मंडल में ग्राम चौपाल में शामिल होंगे। अशोकनगर में नवीनीकृत डाकघर का उद्घाटन, सुभाषगंज में विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण और युवा संवाद कार्यक्रम भी उनके प्रवास का हिस्सा होंगे।18 अक्टूबर को अशोकनगर में शहर के सौंदर्यीकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण थीम रोड एवं अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इसी दिन वे शासकीय विधि महाविद्यालय में स्किल डेवलपमेंट सेंटर का भूमिपूजन करेंगे। साथ ही आपदा मित्रों से संवाद कर उन्हें आपदा प्रबंधन किट वितरित करेंगे। इसके अतिरिक्त शाडोरा में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भूमिपूजन भी उनके कार्यक्रम में शामिल है।

आर्मी डे परेड और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले शहर की सड़कों के सुधार कार्य पूर्ण करें : कलेक्टर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने आगामी आर्मी डे परेड एवं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दृष्टिगत भोपाल शहर की प्रमुख सड़कों की मरम्मत, रखरखाव एवं आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और दुर्घटनाओं की आशंका वाले स्थलों पर सुधार कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराएं। कलेक्टर श्री मिश्रा गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात श्री बसंत कुमार कौल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्माण विभागों के अधिकारियों को शहर की सड़कों की स्थिति बेहतर बनाने के साथ ही भोपाल के आसपास राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी आयोजनों को देखते हुए प्रमुख मार्गों पर सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। बैठक में जिले के चिह्नित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए किए जा रहे सुधार कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने गोविंदपुरा, ट्रेनिंग सेंटर एवं आईएसबीटी क्षेत्र में प्रस्तावित कार्य तत्काल प्रारंभ कराने तथा अन्य स्वीकृत लेफ्ट टर्न निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने डिस्ट्रिक्ट हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स को राष्ट्रीय राजमार्गों की सीमा में किए गए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख चौराहों पर स्टॉप लाइन एवं जेब्रा क्रॉसिंग बनाने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप स्पीड ब्रेकर का निर्माण प्राथमिकता से कराने के लिए भी कहा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत और यातायात सुधार के कार्यों में समय-सीमा का ध्यान रखा जाए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवागमन की सुविधा मिल सके।

मैं जिंदा हूं...फिर भी एसआईआर में कटा नाम

भोपाल । महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरि महाराज उर्फ मिर्ची बाबा का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इस पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा- मृत लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने चाहिए। लेकिन ठेले वालों, गरीबों और संन्यासियों के वोट भी काट दिए गए हैं। मैं जिंदा हूं, मरा नहीं तो मेरा नाम किस आधार पर काटा गया?मिर्ची बाबा ने गुरुवार को वीडियो जारी कर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। संन्यास परंपरा का हवाला देते हुए उन्होंने कहा- हमसे जन्मभूमि का प्रमाण पत्र और माता-पिता के नाम की जानकारी मांगी जा रही है। पिंडदान के बाद संन्यासी का अपने परिवार से संबंध नहीं रहता। उनकी पहचान गुरु परंपरा से होती है। संन्यास के बाद पुराना नाम छोड़ा जाता है। हमें महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरि महाराज नाम दिया गया है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत सुभाष चंद्रबोस वार्ड में आज लगेगा वृहद जनकल्याण शिविर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत नगर निगम भोपाल के जोन क्रमांक-12 के वार्ड क्रमांक-44, सुभाष चंद्र बोस वार्ड में शुक्रवार, 16 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से वृहद जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नागरिकों की समस्याओं एवं शासकीय योजनाओं से संबंधित प्रकरणों के त्वरित निराकरण की कार्यवाही की जाएगी। नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने जाएंगे। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिविर के प्रभावी आयोजन के लिए सक्रियता और संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को निर्धारित समय-सीमा में योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने शिविर से पूर्व संबंधित वार्ड का भ्रमण कर नागरिकों की समस्याओं और लंबित प्रकरणों की विभागवार सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज शिकायतों के निराकरण के लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय से कार्य करें, ताकि अधिकतम नागरिकों को शिविर स्थल पर ही राहत मिल सके। शिविर में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, लोक सेवा गारंटी तथा लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आयुष्मान भारत कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं शहरी विकास से जुड़ी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने की कार्यवाही की जाएगी।

प्रमोशन के बाद फिर बदलेगा प्रशासनिक ढांचा, कई जिलों को मिलेंगे नए कलेक्टर

भोपाल। मध्यप्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों की पदोन्नति के बाद एक बार फिर बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल होने की संभावना है। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में विभिन्न स्तरों पर पदोन्नतियां प्रस्तावित हैं। इसके बाद जनवरी 2027 में मंत्रालय से लेकर जिला स्तर तक नई पदस्थापनाएं की जा सकती हैं।



इस प्रक्रिया में कई जिलों के कलेक्टर बदलने के साथ वरिष्ठ अधिकारियों के विभागों और जिम्मेदारियों में भी बदलाव होने की संभावना है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अधिकारियों के अनुसार, उप सचिव से लेकर प्रमुख सचिव स्तर तक पदोन्नतियों की प्रक्रिया प्रस्तावित है। इसमें कुछ अधिकारी अपर सचिव, कुछ सचिव और कुछ प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत होंगे। पदोन्नति के बाद वरिष्ठ पदों पर होने वाले बदलाव का असर मंत्रालय में पदस्थापना और विभागीय जिम्मेदारियों पर भी पड़ेगा। ग्वालियर की कलेक्टर रुचिका चौहान के भी पदोन्नत होकर सचिव बनने की संभावना है। ऐसे में ग्वालियर सहित उन जिलों में नए कलेक्टरों की नियुक्ति की जा सकती है, जहां मौजूदा अधिकारी पदोन्नति के बाद दूसरे दायित्वों में भेजे जाएंगे। प्रदेश में हाल ही में 11 जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। इसके बावजूद पदोन्नति के बाद एक और तबादला सूची आने की संभावना है। जनवरी में होने वाले फेरबदल में जिलों के साथ मंत्रालय स्तर पर भी अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली जा सकती हैं। हालांकि, किन जिलों में नए कलेक्टर नियुक्त होंगे, इसकी आधिकारिक सूची अभी सामने नहीं आई है।

एग्जिट मॉड्यूल में करियर, नैतिकता, तनाव प्रबंधन कार्यस्थल सुरक्षा पर मिला मार्गदर्शन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



एम्स भोपाल के नर्सिंग कॉलेज में बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के बैच 2022 के 10वें बैच के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय एग्जिट मॉड्यूल आयोजित किया गया। 'पेशेवर आचरण में सुधार और जीवन को सशक्त बनाना' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य पढ़ाई पूरी कर रहे विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ नर्सिंग पेशे में प्रवेश करने के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम के दौरान पेशेवर ईमानदारी, करियर के अवसर, तनाव प्रबंधन, संवेदनशील मरीज सेवा, कार्यस्थल की सुरक्षा, नैतिकता और नेटवर्किंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को क्लिनिकल चुनौतियों से निपटने, पेशेवर विकास और कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के व्यावहारिक तरीके भी बताए गए। सत्रों में मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल में पंजीकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी जानकारी भी दी गई। इसके अलावा जीवनभर सीखते रहने, पूर्व विद्यार्थियों से संपर्क बनाए रखने और करियर के साथ आर्थिक तैयारी पर ध्यान देने के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्यों, नर्सिंग पेशेवरों और पूर्व विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने नर्सिंग क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और पेशेवर चुनौतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। आयोजन के अंत में विद्यार्थियों से प्रतिक्रिया ली गई, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम को उपयोगी बताया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. ममता वर्मा के नेतृत्व में किया गया। आयोजन समिति में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. लिली पोद्दार, सहायक प्रोफेसर कुमारसामी एपी और सहायक प्रोफेसर आर. वेलमुरुगन शामिल रहे। यह पहल विद्यार्थियों के पेशेवर कौशल, आत्मविश्वास और करियर की तैयारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही।

सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा का थीम सॉन्ग जारी, दिग्विजय सिंह ने दिया संस्कृति और स्वाभिमान का संदेश



भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में 20 अक्टूबर से शुरू होने वाली सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा का थीम सॉन्ग जारी हो गया है। उज्जैन से अयोध्या तक प्रस्तावित इस यात्रा के गीत में सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था, सत्य, सेवा और सद्भाव का संदेश दिया गया है। थीम सॉन्ग में उज्जैन की धरती, महाकाल का धाम, अयोध्या की नगरी, श्रीराम का नाम जैसी पंक्तियों के जरिए भगवान महाकाल और श्रीराम के प्रति आस्था को अभिव्यक्त किया गया है। गीत में भगवान श्रीराम की मर्यादा और भगवान शिव के आध्यात्मिक आदर्शों को भारतीय संस्कृति के मानवीय मूल्यों से जोड़ा गया है। थीम सॉन्ग लॉन्चिंग कार्यक्रम में दिग्विजय सिंह ने कहा कि सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा का प्रमुख उद्देश्य सनातन संस्कृति के मूल आदर्शों सत्य, करुणा, सेवा और सद्भाव को जन-जन तक पहुंचाना है। इसके साथ ही सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत का संरक्षण, सामाजिक समरसता को मजबूत करना और धार्मिक संस्थाओं एवं परंपराओं से जुड़े विषयों में पारदर्शिता तथा जवाबदेही के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी यात्रा के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

लॉयन्स ऑफ भोपाल के गरबा महोत्सव में सजा उत्सव का रंग

लॉयन हरिओम जटिया ने किया विशिष्ट पहचान बनाने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

परंपरा की सुगंध, लोकसंस्कृति की छटा और गरबा की मनमोहक थिरकन से लालघाटी स्थित लैंडमार्क गार्डन उस समय उत्सवी रंगों से सराबोर हो उठा, जब लायंस क्लब भोपाल एवं आर्ट स्टूडियो के संयुक्त तत्वावधान में शुभारंभ गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। उल्लास, उमंग और सांस्कृतिक वैभव से सजे इस आयोजन में प्रतिभागियों ने पारंपरिक गरबा नृत्य, आकर्षक परिधानों और शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से समां बांध दिया। महोत्सव में गरबा की लय पर थिरकते कदमों ने जहां गुजरात की समृद्ध लोकपरंपरा की झलक प्रस्तुत की, वहीं रंग-बिरंगे परिधानों और प्रतिभागियों के उत्साह ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों को मंच प्रदान किया गया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय, दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी, लायंस क्लब के चेयरमैन महेश मालवीय, कल्चरल



कोऑर्डिनेटर हरिओम जटिया, मुनेन्द्र वैद्य, प्रियंका मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में फेमिना मिस इंडिया मध्य प्रदेश धनुश्री चौहान की उपस्थिति ने समारोह की रौनक में चार चांद लगा दिए।



एक्सीलेंसी एंटरटेन्मेंट के प्रबंध संचालक हरिओम जटिया ने लायंस क्लब की ओर से कला, संस्कृति, मनोरंजन, मीडिया एवं सामाजिक गतिविधियों के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया। इस पहल के माध्यम से प्रतिभाओं के योगदान को सराहने के साथ उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। महोत्सव में प्रतिभागियों के उत्साह और उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार भी प्रदान किए गए। बेस्ट डांस, बेस्ट कपल और बेस्ट ड्रेस जैसे आकर्षक अवॉर्ड्स के जरिए श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों का उत्साहवर्धन किया गया। संगीत, नृत्य और सम्मान के संगम ने शुभारंभ गरबा महोत्सव को सांस्कृतिक उत्सव के साथ प्रतिभाओं के प्रोत्साहन का यादगार मंच बना दिया।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088